RNI No. : TNHIN/2013/52520 ▪ वर्ष - 14 ▪ अंक - 33 ▪ पृष्ठ - 8 ▪ रु. 5/- चेन्नई » मंगलवार » 25-08-2026 ▪ www.dakshinbharat.com ▪ Email : chennai@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

தக்ஷின் பாரத் ராஷ்ட்ரமத் | தினசரி ஹிந்தி நாளிதழ் | चेन्नई और बेंगलूरु से एक साथ प्रकाशित

5 बेरोजगारी दर 40 वर्षों में उच्चतम स्तर पर : प्रियंका

6 दिशाहीन आरक्षण के खिलाफ आवाज पर सियासी खामोशी

7 कुछ यादें कभी साथ नहीं छोड़तीं : संदीपा धर

फर्स्ट टेक

अमेरिकी राजदूत गोर ने टाटा लॉकहीड मार्टिन विनिर्माण केंद्र का दौरा किया

नई दिल्ली/भाषा। अमेरिकी राजदूत सर्जियो गोर ने सोमवार को कहा कि सी-130जे सैन्य परिवहन विमान के लिए महत्वपूर्ण संरचनाओं का भारत में उत्पादन दोनों देशों के बीच बढ़ते रक्षा सहयोग का एक मजबूत उदाहरण है और इस तरह के प्रयास एक स्वतंत्र तथा सुरक्षित हिंद-प्रशांत के साझा नजरिये को आगे बढ़ाते हैं। अमेरिकी राजदूत ने हैदराबाद स्थित 'टाटा-लॉकहीड मार्टिन एयरोस्ट्रक्चर्स लिमिटेड' के विनिर्माण संयंत्र का दौरा करने के बाद यह टिप्पणी की। यह संयुक्त उद्यम भारत के 'मेक इन इंडिया' उद्देश्यों को पूरा करने पर केंद्रित है और इसकी स्थापना 2010 में हुई थी। यह अमेरिका में निर्मित होने वाले सभी नए सुपर हरक्यूलिस विमानों में शामिल सी-130जे एम्पेनेज असेंबली का एकमात्र वैश्विक आपूर्तिकर्ता है।टाटा एडवांस्ड सिस्टम्स और लॉकहीड मार्टिन का यह संयुक्त उद्यम अब लगभग 80 मध्यम परिवहन विमानों (एमटीए) की भारत की आवश्यकता को पूरा करने पर ध्यान केंद्रित कर रहा है।

महाराष्ट्र के अस्पताल में आग लगने से तीन नवजात शिशुओं की मौत

अमरावती/भाषा। महाराष्ट्र के अमरावती में जिला महिला अस्पताल की नवजात गहन चिकित्सा इकाई (एनआईसीयू) में सोमवार तड़के भीषण आग लगने से तीन नवजात शिशुओं की मौत हो गई, जिसके बाद राज्य सरकार ने मामले की उच्चस्तरीय जांच के आदेश दिए। अधिकारियों ने बताया कि आग तड़के करीब 3:15 बजे एनआईसीयू में उस जगह लगी, जहां समय से पहले जन्मे, कम वजन वाले और गंभीर रूप से बीमार बच्चों को रखा गया था। उन्होंने कहा कि धुएं से भरे इस हिस्से से 36 अन्य नवजात शिशुओं को बचा लिया गया।

'राजनीतिक संन्यास' नहीं लूंगी : ममता

कोलकाता/भाषा। तृणमूल कांग्रेस प्रमुख ममता बनर्जी ने सोमवार को कहा कि वह राजनीतिक संन्यास' नहीं लेंगी और तब तक नहीं रुकेंगी जब तक वह भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को हाशिये पर नहीं धकेल देतीं। बनर्जी ने सोशल मीडिया मंच 'फेसबुक' पर यह भी कहा कि राज्य की सत्ता में बदलाव के चार महीने के भीतर ही लोगों ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) का असली चेहरा देख लिया है। बनर्जी ने आरोप लगाया कि जनगणना की कवायद राष्ट्रीय नागरिक पंजी (एनआरसी) लागू करने की एक और पिछले दरवाजे से की गई कोशिश' है और इसे राजनीतिक दलों से सलाह किए बिना लागू किया गया।

सूर्यास्त 25-07-2026 6:24 बजे	सूर्योदय 26-08-2026 5:59 बजे
BSE 77,369.11 (-171.72)	NSE 24,219.05 (-32.96)
सोना 16,887 रु. (24 कैरेट) प्रति ग्राम	चांदी 275,000 रु. प्रति किलो

मिशन मंडेला
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

युग सुरसा

कब वक्त रहा सस्ताई का,
केवल यह सबको भ्रम भाई।
सब मांग पूर्ति का संतुलन,
बाजार बना सबका सांई।
कुछ की दर घटा बढ़ा कुछ कर,
भ्रम फैलाते हैं सौदाई।
सरकार बने दातार मगर,
युग सुरसा है यह मँहगाई।।

पूजा

पटना में सोमवार को श्रावण मास के अंतिम सोमवार के मौके पर पटना के एक मंदिर में भगवान शिव की पूजा-अर्चना करते लोग।

वाराणसी, तिरुपति समेत 11 हवाई अड्डों के निजीकरण की तैयारी

पीपीपी मॉडल पर सौंपे जाएंगे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। सरकार वाराणसी एवं तिरुपति समेत 11 हवाई अड्डों को सार्वजनिक-निजी भागीदारी (पीपीपी) मॉडल के तहत निजी कंपनियों को सौंपने की योजना बना रही है। इन हवाईअड्डों को पांच समूहों में 50 साल के लिए पट्टे पर दिया जाएगा। एक आधिकारिक दस्तावेज के मुताबिक, नागर विमानन मंत्रालय ने देश के 11 हवाई अड्डों के लिए निजी भागीदारों को नियुक्त करने का प्रस्ताव रखा है। एक समूह में शामिल सभी हवाई अड्डों को किसी एक कंपनी को ही दिया जाएगा। सार्वजनिक-निजी भागीदारी मूल्यांकन समिति (पीपीपीएसी) ने चार अगस्त को हुई बैठक में इस प्रस्ताव को सैद्धांतिक मंजूरी दी थी। आर्थिक मामलों के विभाग की सचिव अनुराधा ठाकुर की अगुवाई वाली पीपीपीएसी ने केंद्रीय क्षेत्र वाली पीपीपी परियोजनाओं का मूल्यांकन किया। इस प्रस्ताव के तहत पांच बड़े हवाई अड्डों को छह छोटे हवाईअड्डों के साथ समूह बनाया गया है। अमृतसर और कांगड़ा-गग्गल एक समूह में रखा गया है जबकि वाराणसी, गया और कुशीनगर दूसरे समूह में होंगे। भुवनेश्वर और हुबली एक समूह में जबकि रायपुर और औरंगाबाद दूसरे समूह में होंगे। इसी तरह, तिरुचिरापल्ली और तिरुपति हवाई अड्डों को पांचवें समूह में रखा गया है। बाजार में केंद्रीकरण और अत्यधिक कर्ज से जुड़े जोखिमों को कम करने के लिए एक ही बोलीदाता को दिए जा सकने वाले हवाई अड्डा समूहों की संख्या की सीमा तय की जाएगी। इन हवाई अड्डों का परिचालन संभालने वाली निजी कंपनियों द्वारा कुल 8,622 करोड़ रुपये का निवेश किए जाने का अनुमान है।

मंत्रालय ने हवाईअड्डों को निजी कंपनियों को सौंपे जाने के बाद एएआई के मौजूदा कर्मचारियों को शामिल करते हुए एक साल की संयुक्त प्रबंधन अवधि का प्रस्ताव रखा है। इसके बाद परिचालक कंपनी को तीन साल तक भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण (एएआई) के 60 प्रतिशत कर्मचारियों को बनाए रखना होगा। दस्तावेज के मुताबिक, पिछले अनुभवों से पता चलता है कि परिचालक कंपनी के साथ इस तरह की व्यवस्था एएआई कर्मचारियों को स्वीकार्य रही है। पिछली बार की प्रक्रिया में एक साल की संयुक्त प्रबंधन अवधि और दो साल की मानद प्रतिनियुक्ति अवधि का प्रावधान था। दस्तावेज कहता है कि मौजूदा दौर के लिए 11 हवाई अड्डों का चयन एएआई ने चरणबद्ध और आंकड़ा आधारित प्रक्रिया के जरिये किया।

गोयल का जापानी कंपनियों से भारत में निवेश करने, स्थानीय उत्पादन बढ़ाने का आह्वान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तोक्यो/भाषा। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने सोमवार को जापानी कंपनियों से भारत में निवेश करने, स्थानीय उत्पादन को बढ़ाने और नवाचार केंद्र स्थापित करने का आह्वान करते हुए कहा कि भारत जापानी कंपनियों के स्वागत के लिए '24 घंटे, सातों दिन' तैयार है। गोयल ने यहां जापानी कंपनियों के प्रतिनिधियों को संबोधित करते हुए कहा कि भारतीय अर्थव्यवस्था तेजी से बढ़ रही है और देश मुक्त व्यापार समझौतों (एफटीए) के जरिये अंतरराष्ट्रीय भागीदारी के लिए अपने दरवाजे खोल रहा है। उन्होंने कहा, ''मैं आप सभी से भारत में भागीदारी करने, उसकी प्रतिभा एवं कौशल का इस्तेमाल करने और बड़े भारतीय बाजार का लाभ उठाने का आह्वान करता हूं।'' गोयल ने जापानी कंपनियों से भारत में स्थानीय स्तर पर उत्पादन एवं खरीद बढ़ाने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि इससे भारतीय बाजार में कंपनियों की लागत प्रतिस्पर्धा बेहतर होगी। उन्होंने कंपनियों को अधिक संख्या में शोध एवं विकास (आरएंडडी) और नवाचार केंद्र तथा वैश्विक क्षमता केंद्र (जीसीसी) की स्थापना के अलावा भारतीय शिक्षण संस्थानों के साथ इंजीनियरिंग साझेदारी करने का भी सुझाव दिया।

कावेरी जल : न्यायालय ने कहा

तमिलनाडु आनुपातिक हिस्से के संबंध में शिकायत सीडब्ल्यूएमए के समक्ष उठा सकता है

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। उच्चतम न्यायालय ने सोमवार को तमिलनाडु सरकार से कहा कि वह कर्नाटक से कावेरी नदी का आनुपातिक हिस्सा छोड़ने के संबंध में अपनी शिकायत कावेरी जल प्रबंधन प्राधिकरण (सीडब्ल्यूएमए) के समक्ष उठा सकती है। कावेरी जल विनियमन समिति (सीडब्ल्यूआरसी) ने कर्नाटक को 12 अगस्त से 15 दिनों तक तमिलनाडु के लिए प्रतिदिन 12,000 क्यूसेक पानी छोड़ने का निर्देश दिया था। इसके बाद कावेरी जल प्रबंधन प्राधिकरण (सीडब्ल्यूएमए) ने भी उक्त फैसले को बरकरार रखा। यह टिप्पणी न्यायमूर्ति विक्रम नाथ और न्यायमूर्ति संदीप मेहता की पीठ ने की। तमिलनाडु की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता सी. एस. वैद्यनाथन ने कहा कि राज्य को पानी का आनुपातिक हिस्सा नहीं मिला है। वैद्यनाथन ने पीठ से कहा, ''हमें पानी का आनुपातिक हिस्सा मिलना चाहिए। दुर्भाग्य से, ऐसा नहीं हो रहा है।''

उन्होंने जब दलील दी कि सीडब्ल्यूएमए कावेरी के पानी का आनुपातिक हिस्सा छोड़ने का निर्देश नहीं दे रहा है, तो पीठ ने कहा कि राज्य इस मुद्दे को प्राधिकरण के समक्ष उठा सकता है। पीठ को बताया गया कि सीडब्ल्यूएमए की बैठक दिन में और 25 अगस्त को होनी है। उच्चतम न्यायालय तमिलनाडु सरकार की उस याचिका पर सुनवाई कर रहा था, जिसमें कर्नाटक सरकार को तत्काल पानी छोड़ने का निर्देश देने का अनुरोध किया गया है। सुनवाई के दौरान पीठ ने वैद्यनाथन से कहा कि पिछली सुनवाई पर कर्नाटक सरकार की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता श्याम दीवान ने पानी छोड़े जाने का ब्योरा देने वाला एक चार्ट उसके समक्ष रखा था। पीठ ने कहा कि चार्ट के अनुसार, तमिलनाडु के लिए पानी सीडब्ल्यूएमए के निर्देश के मुताबिक छोड़ा गया है।

वैद्यनाथन ने कहा, ''सीडब्ल्यूएमए आनुपातिक पानी छोड़ने का निर्देश नहीं दे रहा है।'' उन्होंने कहा, ''मैं (तमिलनाडु) किसानों के लिए पानी की एक बूंद भी नहीं छोड़ सकता। वे (कर्नाटक) किसानों के लिए पानी छोड़ रहे हैं।'' पीठ ने मामले की अगली सुनवाई 31 अगस्त को निर्धारित करते हुए दोनों पक्षों से अद्यतन स्थिति के साथ आने को कहा। गत 17 अगस्त को शीर्ष अदालत ने कर्नाटक को तमिलनाडु के लिए कावेरी का पानी छोड़ने संबंधी सीडब्ल्यूएमए के निर्देश का अनुपालन सुनिश्चित करने को कहा था। वहीं तमिलनाडु सरकार ने अदालत के समक्ष दावा किया था कि सीडब्ल्यूएमए के निर्देश का अनुपालन नहीं किया जा रहा है, जबकि कर्नाटक सरकार ने कहा था कि पेश की जा रही तस्वीर ''बेहद गलत'' है।

ट्रंप के 'अप्रत्याशित व्यवहार' के कारण भारत ने मीडिया से बात न करने का फैसला किया

नई दिल्ली/भाषा। भारत ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के कई विदेशी नेताओं के प्रति अप्रत्याशित व्यवहार को देखते हुए एहतियाती रुख अपनाया और जून में फ्रांस में अमेरिकी नेता के साथ प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की बातचीत के बाद संयुक्त प्रेस वार्ता नहीं करने का फैसला लिया। सरकारी सूत्रों ने सोमवार को यह जानकारी दी।

यह स्पष्टीकरण भारत में अमेरिका के राजदूत सर्जियो गोर के इस बयान के मद्देनजर आया है कि फ्रांस में ट्रंप और मोदी की बैठक से पहले नई दिल्ली ने अमेरिकी पक्ष से कहा था कि वह दोनों नेताओं की संयुक्त प्रेस वार्ता नहीं चाहती।

जयशंकर रूस के राष्ट्रपति पुतिन से मिले

द्विपक्षीय संबंधों व वैश्विक घटनाक्रम पर चर्चा की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मॉस्को/भाषा। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने सोमवार को मॉस्को में रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से मुलाकात की और दोनों नेताओं ने द्विपक्षीय संबंधों तथा वैश्विक घटनाक्रमों पर विचार-विमर्श किया। जयशंकर रूस की दो दिवसीय यात्रा के तहत रविवार को मॉस्को पहुंचे। यह यात्रा 12-13 सितंबर को ब्रिक्स नेताओं के शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेने के लिए रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के नयी दिल्ली दौरे से पहले हो रही है।

जयशंकर और पुतिन की बैठक को इसलिए अहम माना जा रहा है, क्योंकि भारत और रूस कई क्षेत्रों में द्विपक्षीय आर्थिक संबंधों को मजबूत करने और सहयोग बढ़ाने की दिशा में काम कर रहे हैं। इससे पहले जयशंकर ने रूस के उप-प्रधानमंत्री डेनिस मंतुरोव के साथ द्विपक्षीय व्यापार और आर्थिक सहयोग को और बढ़ावा देने के तौर-तरीकों पर चर्चा की।

जयशंकर ने मंतुरोव के साथ एक कार्यक्रम की सह-अध्यक्षता करते हुए कहा, भारत-रूस साझेदारी ने लगातार मजबूती और हालात के अनुसार ढलने की अपनी क्षमता का प्रदर्शन किया है।

इंडोनेशिया में जंगलों की आग से निपटने के लिए हवाई अभियान तेज

जकार्ता/एपी। इंडोनेशिया ने सोमवार को देश के मध्य और पश्चिमी हिस्सों में जंगलों में लगी भीषण आग से निपटने के लिए जमीनी और हवाई अभियान तेज कर दिया।

आग से हजारों हेक्टेयर क्षेत्र प्रभावित हुआ है, घना धुआं शहरों पर छा गया है तथा पड़ोसी देशों तक पहुंच गया है। इंडोनेशिया की राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन एजेंसी (बीएनपीबी) के अनुसार, अल नीनो के मजबूत होने और लंबे समय से जारी शुष्क मौसम के कारण लगी आग से घना धुआं पैदा हुआ है, जो मलेशिया और ब्रुनेई तक पहुंच गया है।

बीएनपीबी ने सोमवार को कहा कि कई क्षेत्रों में आग अब भी सक्रिय है। बोर्नियो द्वीप के पश्चिम, मध्य और दक्षिण कालीमंतन तथा सुमात्रा द्वीप के रियाउ, दक्षिण सुमात्रा और जाम्बी जैसे आग प्रभावित प्रांतों में बड़े पैमाने पर आग बुझाने का अभियान जारी है। इस साल इंडोनेशिया में जंगलों में आग लगने की घटनाओं में व्यापक वृद्धि देखी गई है।

इंडोनेशिया के राष्ट्रपति प्रबोवो सुबियांतो ने शनिवार को मध्य कालीमंतन में आग से तबाह इलाकों का दौरा किया। इसके बाद वह सुमात्रा द्वीप के आग प्रभावित रियाउ प्रांत पहुंचे, जहां 11,500 हेक्टेयर से अधिक क्षेत्र जल चुका है। उन्होंने अधिकारियों से धुएं के गुबार को नियंत्रित करने के प्रयास तेज करने का आग्रह किया। प्रबोवो ने कहा कि सरकार आग बुझाने के अभियान में सहयोग जारी रखेगी। इसके तहत अतिरिक्त पानी बरसाने वाले हेलीकॉप्टर और दमकलकर्मियों के लिए ऑक्सीजन की आपूर्ति भी की जाएगी। उन्होंने अधिकारियों से आग बुझाने वाली टीमों द्वारा किए जा रहे काम का पूरी तरह दस्तावेजीकरण कर सीधे उन्हें ''रिपोर्ट करने'' का आग्रह किया।

ईवीएम 'इंटरनेट', 'ब्लूटूथ' या 'वाईफाई' से जुड़ी नहीं होती हैं : मुख्य निर्वाचन आयुक्त

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने सोमवार को कहा कि इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन' (ईवीएम) सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनियों द्वारा निर्मित की जाती हैं और वे इंटरनेट, 'ब्लूटूथ' या 'वाई-फाई' से जुड़ी नहीं होती हैं। एक बयान के मुताबिक कुमार ने अपने दो दिवसीय लखनऊ दौरे के दौरान यहां 'कॉल्विन तालुकेदार्स कॉलेज' में विद्यार्थियों के साथ संवाद किया। उन्होंने विद्यार्थियों को सोशल मीडिया के दौर में भ्रामक सूचनाओं और 'फेक न्यूज' से सावधान रहने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि किसी भी सूचना को स्वीकार करने से पहले उसके स्रोत और सत्यता की जांच करना आवश्यक है।

गुरुग्राम में भारी बारिश के कारण जगह-जगह जलभराव, यातायात प्रभावित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गुरुग्राम/भाषा। गुरुग्राम में सोमवार को करीब एक घंटे तक हुई भारी बारिश के बाद कई जगहों पर पानी भर गया और दिल्ली-गुरुग्राम एक्सप्रेसवे तथा प्रमुख सड़कों पर यातायात प्रभावित हुआ। भारी बारिश के कारण नरसिंहपुर, हीरो होंडा चौक, राजीव चौक, इफ्को चौक और पुराने गुरुग्राम के कई इलाकों में पानी भर गया। राजीव चौक के आसपास वाहन पानी में फंस गए, जबकि सोहना रोड पर स्कूल बसें और एंबुलेंस भी जलभराव में फंस गईं। जिला प्रशासन ने बताया कि पूर्वाह्न 1:30 बजे तक गुरुग्राम में 70 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई। राजीव चौक, इफ्को चौक, रेलवे रोड, सेक्टर-5, पुरानी दिल्ली रोड, महरौली रोड और बसई रोड समेत प्रमुख इलाके बुरी तरह प्रभावित हुए। नाहरपुर अंडरपास में भी पानी भर गया।

कई सड़कों पर यातायात की रफ्तार धीमी रही और लोग पानी से भरी सड़कों से गुजरते दिखाई दिए। पुराने गुरुग्राम के सदर बाजार, गुरुद्वारा रोड और पुरानी दिल्ली रोड समेत कई इलाकों में जलभराव के कारण दोपहर तक जाम लगा रहा। यातायात पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि दोपहर में सिरहौल बॉर्डर, राजीव चौक, नरसिंहपुर और कुछ अन्य जगहों पर वाहनों की आवाजाही बाधित रही। उन्होंने कहा कि स्थिति संभालने के लिए

यातायात पुलिसकर्मियों को तैनात किया गया।

साइबर हब के पास गेटवे टावर मेट्रो स्टेशन के सामने एक्सप्रेसवे का एक बड़ा हिस्सा पानी में डूब गया, जिससे प्रमुख मार्ग पर यातायात प्रभावित हुआ। शीतला माता रोड भी सबसे ज्यादा प्रभावित इलाकों में शामिल रहा। इस सड़क पर मानसून में अक्सर बाढ़ जैसी स्थिति उत्पन्न हो जाती है।

बारिश के दौरान नगर निगम के अधिकारी मौके पर सक्रिय रहे। नगर निगम आयुक्त प्रदीप दहिया और अतिरिक्त नगर निगम आयुक्त यश जालुका ने गुरुग्राम महानगर विकास प्राधिकरण, भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण और नगर निगम के अधिकारियों के साथ जलभराव वाले इलाकों का निरीक्षण किया।

शाकद्विपीय ब्राह्मण महासभा के संरक्षक श्यामलाल शर्मा का हुआ सम्मान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। शाकद्वीपीय ब्राह्मण समाज के मीडिया प्रभारी दीपेश देवेरा ने बताया कि शाकद्वीपीय ब्राह्मण महासभा द्वारा सूर्यभवन में रा. शा. ब्रा. ब्रा. संघ जोधपुर के पूर्व अध्यक्ष एवं वर्तमान संघ संरक्षक श्याम लाल शर्मा के चेन्नई आगमन पर एक भव्य स्वागत व सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। इसमें समाज के वरिष्ठ पदाधिकारियों एवं कार्यकारिणी सदस्यों द्वारा आदरणीय शर्मा को साफा पहनाकर, माला पहनाकर, शॉल ओढ़ाकर एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर उनका अभिनंदन किया गया। चेन्नई शाकद्विपीय ब्राह्मण महासभा के चेयरमैन किशोर कुवेरा, वाइस चेयरमैन सत्यनारायण भरतानी, अध्यक्ष अशोक मथुरिया, सचिव चैनराज भरतानी, सहसचिव चन्द्रप्रकाश ललड़ आदि ने उपस्थित थे।

मंगल वही, जो जीवन के अमंगल को दूर करे : पंन्यास ज्ञानबोधि विजय

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां वेपेरी जैन संघ में चातुर्मासार्थ विराजित आचार्यश्री कुलबोधिसूरीश्वरजी महाराज के सुशिष्य पंन्यासश्री ज्ञानबोधिविजयजी म. ने सोमवार को धर्मसभा को संबोधित करते हुए मंगलं भगवान वीरो, मंगलं गौतम प्रभु। मंगलं स्थूलिभद्राद्या, जैन धर्मोऽस्तु मंगलम मंगलाचरण की भावपूर्ण व्याख्या करते हुए कहा कि जो हमारे जीवन के अमंगल को दूर करे, वही वास्तविक मंगल है। उन्होंने कहा कि इस मंगलाचरण में भगवान महावीर, गौतम स्वामी, स्थूलिभद्र मुनि और जैन धर्म को मंगल बताया गया है। भगवान महावीर का स्मरण इसलिए मंगलकारी है, क्योंकि हम उनके शासन में जीवन जी रहे हैं।

सुधर्मास्वामी ने पाट-परंपरा को आगे बढ़ाया, लेकिन स्थूलिभद्र मुनि के जीवन की विशिष्टताओं के कारण उनका भी मंगल रूप में स्मरण किया जाता है। उन्होंने कहा कि जिस प्रकार दीपक अंधकार को दूर करता है, उसी प्रकार मंगल जीवन के अमंगल को दूर करता है।

पंन्यासश्री ने मंगल के दो स्वरूप लौकिक और लोकोत्तर मंगल बताते हुए कहा कि शुभ कार्य के लिए निकलते समय कलश, दही, गुड़ आदि को मंगल माना जाता है, यह लौकिक मंगल है। इसके विपरीत प्रभु का नाम-स्मरण और जाप लोकोत्तर मंगल है। जीवन में कोई भी शुभ प्रसंग आए, उस समय प्रभु का स्मरण करना आत्मा को भीतर से मंगलमय बनाने वाला उपाय है। उन्होंने कहा कि संसार में दो प्रकार की दृष्टि वाले जीव होते हैं।

कुछ लोग जीवन में आने वाले दु:ख को अमंगल मानते हैं, जबकि कुछ दु:ख को भी मंगल मानकर अपने दोषों को अमंगल मानते हैं। हमें स्वयं से पूछना चाहिए कि हमें दु:ख सताता है या हमारे दोष? भगवान महावीर, गौतम स्वामी और स्थूलिभद्र की शरण को जीवन का आधार बनाने की प्रेरणा देते हुए उन्होंने कहा कि केवल भक्ति करना पर्याप्त नहीं, उनके गुणों को जीवन में उतारना आवश्यक है। गौतम स्वामी की सरलता का उदाहरण देते हुए उन्होंने आनंद श्रावक का प्रसंग सुनाया। आनंद श्रावक सांसारिक समृद्धि में आगे थे, जबकि गौतम स्वामी ज्ञान और लब्धियों के धनी थे। इसके बावजूद गौतम स्वामी की विनम्रता ऐसी थी कि उन्होंने आनंद श्रावक से भी मिच्छामि दुक्कडम् कहकर अपनी सरलता का परिचय दिया। गौतम स्वामी जैसी सरलता जीवन में आ जाए तो आत्मकल्याण का मार्ग प्रशस्त हो सकता है। महाभारत के अर्जुन का उदाहरण देते हुए उन्होंने बताया कि अर्जुन की सरलता ही उन्हें श्रीकृष्ण के हृदय के निकट ले गई।

पंन्यासश्री ने कहा कि जिनशासन दु:ख से भागना नहीं, बल्कि दु:ख के बीच समता रखना सिखाता है। भगवान महावीर ने अनार्य देशों में जाकर कष्टों को आमंत्रित किया और उन्हें भी समता से स्वीकार किया। इसी प्रकार हमें जीवन में आने वाले दु:खों को आत्मविकास का अवसर मानना चाहिए।

चिदंबरम ने संसदीय समिति से कहा : 'एक राष्ट्र, एक चुनाव' का प्रस्ताव 'असंवैधानिक'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता पी चिदंबरम ने लोकसभा और राज्य विधानसभाओं के चुनाव एक साथ कराने के प्रस्ताव का सोमवार को संसद की संयुक्त समिति के समक्ष पुरजोर विरोध किया और इस विचार को ही ''विकृत'' तथा ''असंवैधानिक'' करार दिया। पूर्व गृह एवं वित्त मंत्री ने कहा कि 'एक राष्ट्र, एक चुनाव' के तहत देशभर में एक साथ चुनाव कराने की कवायद बिना ''सोचे-समझे'' उठाया गया कदम है।

सूत्रों के अनुसार, कांग्रेस नेता ने संविधान (129वां संशोधन) विधेयक, 2024 और केंद्रशासित प्रदेश कानून (संशोधन) विधेयक, 2024 पर विचार कर रही संसद की संयुक्त समिति के समक्ष अपनी राय रखी। इन विधेयकों का उद्देश्य लोकसभा और राज्य विधानसभा चुनावों को एक साथ कराना है। सूत्रों के मुताबिक, चिदंबरम ने समिति से कहा कि एक साथ चुनाव कराने से संबंधित विधेयक ''असंवैधानिक'' हैं। उन्होंने तर्क दिया कि प्रत्येक विधानमंडल का कार्यकाल पांच वर्ष के लिए होता है और उसके कार्यकाल को कम करना संविधान के मूल ढांचे का सीधे तौर पर उल्लंघन होगा। वरिष्ठ कांग्रेस नेता ने यह भी कहा कि उनकी अंतररात्मा उन्हें इन विधेयकों का समर्थन करने की अनुमति नहीं देती। उन्होंने जोर देकर कहा कि सरकार के पास कानून पारित कराने के लिए संसद में दो-तिहाई बहुमत नहीं है। समिति की सदस्य और तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) की नेता सागरिका घोष ने भी विधेयक का विरोध किया और कहा कि इससे निर्वाचन आयोग को बेलगाम'' अधिकार मिल जाएंगे। करीब 10 पद्म पुरस्कार से सम्मानित हस्तियों के एक समूह ने भी समिति के समक्ष अलग-अलग अपनी राय रखी। इनमें तरलोचन सिंह, नवीन खन्ना, मीनाक्षी जैन और नीरू कुमार शामिल थे। पद्म पुरस्कार से सम्मानित कुछ लोगों ने एक साथ चुनाव कराने की पहल का समर्थन किया, जबकि अन्य ने इसका विरोध करते हुए कहा कि इससे देश में अराजकता'' पैदा हो सकती है। ये विधेयक दिसंबर 2024 में लोकसभा में पेश किए गए थे, जिसके बाद इन्हें विचार के लिए संयुक्त समिति के पास भेज दिया गया था। इन विधेयकों को पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद की अध्यक्षता वाली उच्चस्तरीय समिति की सिफारिशों के आधार पर तैयार किया गया है।

आंध्र प्रदेश में पवन परियोजनाओं पर 10,000 करोड़ रुपये निवेश करेगी सुजलॉन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अमरावती/भाषा। पवन ऊर्जा क्षेत्र की प्रमुख कंपनी सुजलॉन ग्रुप आंध्र प्रदेश में विस्तार के तहत राज्य में 10,000 करोड़ रुपये का निवेश करने की योजना बना रही है।

राज्य के सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री नारा लोकेश अनंतपुर जिले के कानेकलू मंडल के हुलिकेर गांव में सुजलॉन के नए एस144 पवन टर्बाइन ब्लेड का मंगलवार को उद्घाटन करेंगे। कंपनी ने सोमवार को जारी बयान में कहा, सुजलॉन समूह आंध्र प्रदेश में विस्तार के तहत 10,000 करोड़ रुपये का निवेश करने की योजना बना रहा है। इसमें अनंतपुर जिले के रायादुर्ग विधानसभा क्षेत्र में 1,325 मेगावाट की नई पवन ऊर्जा परियोजनाओं का विकास शामिल है। नई परियोजनाओं से प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष करीब 4,000 रोजगार के अवसर पैदा होने की उम्मीद है। सुजलॉन का लक्ष्य 2030 तक आंध्र प्रदेश में अतिरिक्त पांच गीगावाट की नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता विकसित करना है। कंपनी ने कहा कि राज्य में उसके पास पहले से 1,700 मेगावाट से अधिक की स्थापित पवन ऊर्जा क्षमता है। सुजलॉन ने 2004 में आंध्र प्रदेश में अपना परिचालन शुरू किया था और तब से अनंतपुर जिले में विनिर्माण तथा परियोजना संबंधी गतिविधियों का विस्तार किया है। बयान के अनुसार, कंपनी ने अब तक आंध्र प्रदेश में करीब 12,000 करोड़ रुपये का निवेश किया है। इससे राज्य में पहले ही करीब 2,200 लोगों को रोजगार मिला है। आंध्र प्रदेश सरकार और सुजलॉन बड़े पैमाने पर हरित कौशल विकास कार्यक्रम पर भी मिलकर काम कर रहे हैं। इसका उद्देश्य युवाओं को नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र के लिए तैयार करना है।

पलक्कड़ रेल मंडल के विभाजन के विरोध में डीवाईएफआई, युवा कांग्रेस का प्रदर्शन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पलक्कड़ रेल मंडल के विभाजन के विरोध में डीवाईएफआई, युवा कांग्रेस का प्रदर्शन

पलक्कड़/भाषा। पलक्कड़ रेलवे मंडल के विभाजन और मंगलूरु सहित विभिन्न स्टेशनों को मैसूरु मंडल में स्थानांतरित किए जाने के कदम के खिलाफ सोमवार को 'डेमोक्रेटिक यूथ फेडरेशन ऑफ इंडिया' (डीवाईएफआई) और 'युवा कांग्रेस' ने अलग-अलग प्रदर्शन किए। पुलिस ने बताया कि इस दौरान कई प्रदर्शनकारियों को हिरासत में लिया गया। मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) की युवा इकाई 'डीवाईएफआई' द्वारा आयोजित मार्च सुबह करीब आठ बजे मंडल रेलवे प्रबंधक (डीआरएम) कार्यालय पर पहुंचा। पुलिस और रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) के जवानों ने प्रदर्शनकारियों को मुख्य गेट पर ही रोक दिया। पुलिस के अनुसार, हालांकि कुछ प्रदर्शनकारी चारदीवारी लांघकर कार्यालय भवन के मुख्य प्रवेश द्वार तक पहुंच गए। इसके बाद, कई अन्य प्रदर्शनकारी भी पुलिस की घेराबंदी तोड़कर परिसर के भीतर दाखिल हो गए। अधिकारियों ने बताया कि महिलाओं सहित डीवाईएफआई कार्यकर्ताओं ने प्रवेश द्वार के सामने धरना दिया और प्रस्तावित विभाजन के खिलाफ नारेबाजी की।

यात्री की शिकायत, रेल के एसी कोच में चूहे ने 'नाक पर काटा'

इंदौर/भाषा। हिमाचल प्रदेश के ऊना से मध्यप्रदेश के इंदौर आ रही एक एक्सप्रेस ट्रेन में सवार एक यात्री ने रेलवे से शिकायत की है कि वातानुकूलित (एसी) डिब्बे में सफर के दौरान चूहे ने उसकी नाक पर काट लिया। रेलवे के एक अधिकारी ने सोमवार को यह जानकारी दी। पश्चिम रेलवे के रतलाम मंडल के जनसंपर्क अधिकारी मुकेश कुमार ने संवाददाताओं को बताया कि एक यात्री ने एक्स' के जरिये रेलवे से शिकायत की है कि ऊना हिमाचल-इंदौर एक्सप्रेस (19308) के एसी डिब्बे में 22 अगस्त को यात्रा के दौरान चूहे ने उसकी नाक पर काट लिया। उन्होंने बताया कि यात्री के साथ यह कथित घटना उस समय हुई, जब ऊना से इंदौर आ रही ट्रेन आगरा रेल मंडल के तहत आने वाले क्षेत्र से गुजर रही थी। कुमार ने बताया, ''यात्री को रेलवे ने प्राथमिक उपचार मुहैया कराया था।'' उन्होंने कहा कि यात्री ट्रेन को इंदौर से ऊना के लिए रवाना करने से पहले तय प्रक्रिया के तहत इसमें चूहों से बचाव के उपाय किए गए थे। कुमार ने कहा, ''हो सकता है कि रास्ते में किसी कोच का दरवाजा खुला रह जाने के कारण चूहा ट्रेन में घुस गया हो।''

अमरावती अस्पताल अग्निकांड

एनआईसीयू में आग लगते ही मची अफरा-तफरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

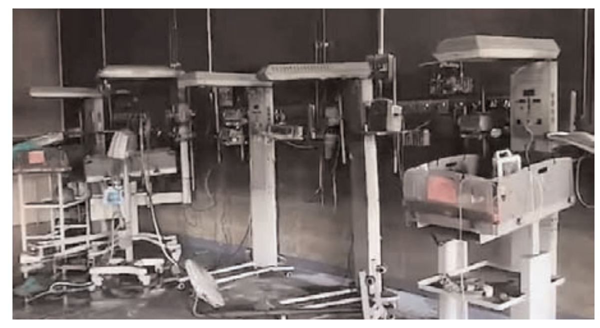

अमरावती/भाषा। महाराष्ट्र के अमरावती में एक सरकारी अस्पताल में भर्ती अपने बच्चों के स्वस्थ होने का इंतजार कर रहे माता-पिता एवं अन्य परिजन सोमवार तड़के अस्पताल के बाहर गहरी नींद में थे और उन्हें तनिक भी अंदाजा नहीं था कि कुछ ही देर में एनआईसीयू में आग लग जाएगी और वहां भर्ती शिशुओं की जान खतरे में पड़ जाएगी। महाराष्ट्र के अमरावती शहर में सोमवार तड़के एक सरकारी अस्पताल की नवजात शिशु गहन चिकित्सा इकाई (एनआईसीयू) में आग लगने से तीन शिशुओं की मौत हो गई। प्रत्यक्षदर्शियों ने 'पीटीआई-वीडियो' को बताया कि जिला महिला अस्पताल की नवजात शिशु गहन चिकित्सा इकाई (एनआईसीयू) में भीषण आग लग गई, जिससे कुछ नवजात शिशु काली राख से ढक गए और वार्डों में अफरा-तफरी मच गई।

कुछ माता-पिता ने बताया कि सुरक्षाकर्मी और नर्सें बच्चों को बचाने के लिए धुएं से भरी देखभाल इकाइयों में तुरंत भागे। उन्होंने इस घटना के लिए अस्पताल प्रशासन को जिम्मेदार ठहराया। अस्पताल में भर्ती कुछ बच्चों के परिजनों ने यह भी दावा किया कि वार्ड में पानी के छिड़काव की प्रणाली काम नहीं कर रही थी और आग लगते ही इसे तुरंत सक्रिय किया जाना चाहिए था। अधिकारियों के अनुसार, सोमवार तड़के करीब सवा तीन बजे अस्पताल की एनआईसीयू में आग लगी। इस इकाई में समय से पहले जन्मे, कम वजन वाले और गंभीर रूप से बीमार नवजात शिशुओं का इलाज किया जा रहा था।

अमरावती के अचलपुर निवासी योगेश सावरकर ने बताया कि उनकी पत्नी और आठ दिन का बच्चा अस्पताल में भर्ती थे तथा जब आग लगी, उस समय वह अस्पताल की इमारत के बाहर सो रहे थे। सावरकर ने बताया कि उनका बच्चा अस्पताल की पहली मंजिल पर था। एक वार्ड में आग की लपटें फैलने पर वह ऊपर पहुंचे, अपने बच्चे को बचाया और उसे सुरक्षित नीचे ले आए। सावरकर और कुछ अन्य बच्चों के परिजनों ने बताया कि स्थिति बेहद गंभीर थी और वार्ड में भर्ती बच्चों के ऊपर तक आग फैल रही थी। सावरकर ने कहा, मेरा बच्चा पहली मंजिल पर था और मैं खुद जाकर उसे नीचे लेकर आया। हालांकि, मैंने अस्पताल में अन्य बच्चों को काली राख से ढका देखा।

उन्होंने कहा कि सुरक्षा गार्ड सबसे पहले घटनास्थल पर पहुंचे और बच्चों को बचाना शुरू किया। उन्होंने एक नर्स को भी बच्चों की जान बचाने में मदद करते देखा। बच्चों के परिजनों ने इस त्रासदी के लिए अस्पताल प्रशासन को सीधे तौर पर जिम्मेदार ठहराया। परिजनों ने कहा कि उन्हें आग लगने की सही वजह का पता नहीं है, लेकिन उन्होंने वार्ड में भीषण आग लगी देखी, जिसके बाद बच्चों के माता-पिता और अस्पताल के कर्मचारियों में अफरा-तफरी मच गई।

केंद्र का अमेरिका जाने की अनुमति न देना तेलंगाना के लोगों का अपमान: रेड्डी

हैदराबाद/भाषा। तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने अमेरिका जाने की अनुमति न मिलने पर सोमवार को भाजपा और उसके नेतृत्व वाली राजग सरकार पर निशाना साधा तथा आरोप लगाया कि यह राज्य के चार करोड़ लोगों का अपमान है। ब्रिटेन की यात्रा से हैदराबाद लौटने के कुछ घंटे बाद रेड्डी ने संवाददाता सम्मेलन में कहा कि केंद्र सरकार तेलंगाना के साथ भेदभाव कर रही है और कांग्रेस संसद में यह मुद्दा उठाएगी।

रेड्डी ने कहा कि केंद्र ने उन्हें अमेरिका यात्रा की अनुमति नहीं दी, लेकिन गुजरात में निवेश आमंत्रित करने के वास्ते वहां के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल को अमेरिका जाने की मंजूरी दे दी। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा नहीं चाहती कि कोई भी राज्य एक हद से ज़्यादा तरक्की करे। उन्हें अमेरिका जाने की अनुमति न दिए जाने का मुद्दा कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और पार्टी नेता राहुल गांधी संसद में उठाएंगे। तीन दिन की ब्रिटेन यात्रा के बाद रेड्डी सोमवार को हैदराबाद लौट आए। वह 20 अगस्त को ब्रिटेन गए थे और इसके बाद उन्हें अमेरिका जाना था। हालांकि, केंद्र सरकार ने उन्हें अमेरिका जाने की मंज़ूरी नहीं दी,जिसके बाद रेड्डी ने अपनी यात्रा छोटी करने और लंदन से स्वदेश लौटने का फ़ैसला किया।

गणेश मूर्ति को पंडाल ले जा रही शोभायात्रा पर अंडे फेंके गए

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। दक्षिण मुंबई के माझगांव इलाके में गणेश मूर्ति को पंडाल तक ले जा रही शोभायात्रा पर अज्ञात लोगों ने कथित तौर पर अंडे फेंके, जिसके बाद इलाके में शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिसकर्मियों की तैनाती बढ़ा दी गई। एक अधिकारी ने सोमवार को यह जानकारी दी।

उन्होंने बताया कि रविवार रात हुई इस घटना के संबंध में भायखला पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 299 (धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने के इरादे से जानबूझकर व दुर्भावनापूर्ण कृत्य) और धारा 196 (अलग-अलग समूहों के बीच दुश्मनी पैदा करना) के तहत प्राथमिकी दर्ज की है। अधिकारी ने बताया कि माझगांवचा मोरया गणेशोत्सव मंडल की गणेश मूर्ति को पंडाल ले जाया जा रहा था, तभी कथित तौर पर कॉन्टिनेंटल हाइट्स इमारत से अंडे फेंके गए।

उन्होंने कहा कि एक अंडा कथित तौर पर मूर्ति पर जा गिरा, जिससे शोभायात्रा में शामिल लोग नाराज हो गए और वे कुछ देर के लिए ऊंची इमारत के बाहर इकट्ठा हो गए। इसके बाद पुलिस ने हस्तक्षेप किया।

इलाके में तनाव की स्थिति उत्पन्न हो गई, लेकिन बड़ी संख्या में पुलिसकर्मियों की तैनाती और पुलिस उपायुक्त जयंत मीणा के हस्तक्षेप के बाद स्थिति पर काबू पा लिया गया। अधिकारी ने बताया कि मामले में अभी किसी को गिरफ्तार नहीं किया गया है और जांच जारी है।

आयकर विभाग ने गैर-ऑडिट करदाताओं से 31 अगस्त से पहले आईटीआर दाखिल करने को कहा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

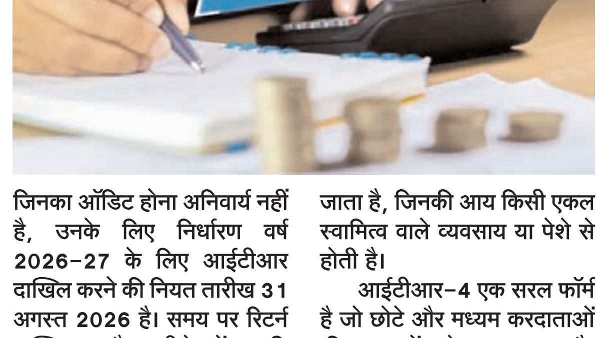

नई दिल्ली/भाषा। आयकर विभाग ने सोमवार को कारोबार या पेशे से कमाई करने और लेखा-परीक्षण के दायरे में नहीं आने वाले करदाताओं से 31 अगस्त तक आकलन वर्ष 2026-27 का आयकर रिटर्न दाखिल करने को कहा। ई-फाइलिंग पोर्टल पर 20 अगस्त तक दो करोड़ से अधिक आईटीआर-3 और आईटीआर-4 दाखिल किए जा चुके हैं, जिससे आकलन वर्ष 2026-27 के लिए दाखिल कुल आयकर रिटर्न की संख्या 6.5 करोड़ से अधिक हो गई है। इसमें 5.9 करोड़ से अधिक वे आईटीआर-1 और आईटीआर-2 भी शामिल हैं, जो 31 जुलाई की नियत तिथि तक दाखिल किए गए थे।

आयकर विभाग ने 'एक्स' पर लिखा, ''जिन करदाताओं की व्यावसायिक या पेशेवर आय है और जिनका ऑडिट होना अनिवार्य नहीं है, उनके लिए निर्धारण वर्ष 2026-27 के लिए आईटीआर दाखिल करने की नियत तारीख 31 अगस्त 2026 है। समय पर रिटर्न दाखिल कर टैक्स हीरो बनें।'' यदि कोई करदाता गैर-ऑडिट श्रेणी में आता है, तो वह लागू आईटीआर (आईटीआर-3, आईटीआर-4, आईटीआर-5 या आईटीआर-7) दाखिल कर सकता है। आईटीआर-3 उन व्यक्तियों और हिंदू अविभाजित परिवारों (एचयूएफ) द्वारा दाखिल किया जाता है, जिनकी आय किसी एकल स्वामित्व वाले व्यवसाय या पेशे से होती है।

आईटीआर-4 एक सरल फॉर्म है जो छोटे और मध्यम करदाताओं की जरूरतों को पूरा करता है। आईटीआर-5 फर्मों, सीमित दायित्व भागीदारी (एलएलपी) और सहकारी समितियों द्वारा दाखिल किया जाता है। आईटीआर-6 कंपनी अधिनियम के तहत पंजीकृत कंपनियों द्वारा और आईटीआर-7 ट्रस्टों तथा परमार्थ संस्थाओं द्वारा दाखिल किया जाता है।

दुष्कर्म मामले में आत्मसमर्पण से छूट की तेजपाल की याचिका पर आदेश पारित करेगा न्यायालय

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। उच्चतम न्यायालय ने सोमवार को कहा कि वह पत्रकार तरुण तेजपाल की आत्मसमर्पण से छूट के अनुरोध वाली याचिका पर आदेश सुनाएगा। मुंबई उच्च न्यायालय ने बलात्कार के मामले में उन्हें दोषी ठहराते हुए 10 साल के कठोर कारावास की सजा सुनाई है। न्यायमूर्ति आलोक अराधे की एकल न्यायाधीश पीठ ने अपना फैसला सुरक्षित रख लिया। गोवा सरकार की ओर से पेश सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि तेजपाल की याचिका सुनवाई योग्य नहीं है क्योंकि पत्रकार ने आत्मसमर्पण से छूट के लिए अलग से कोई आवेदन दाखिल नहीं किया है। उन्होंने कहा कि याचिका इस आधार पर भी सुनवाई योग्य नहीं है कि तेजपाल ने इसको लेकर एक प्रमाणपत्र दाखिल नहीं किया है कि वह उच्चतम न्यायालय नियमावली, 2013 के अनुसार पहले ही आत्मसमर्पण कर चुके हैं।

शुरुआत में, तेजपाल की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल ने दलील दी कि उच्चतम न्यायालय के नियम इस मामले में लागू नहीं होते, क्योंकि उच्च न्यायालय ने उन्हें आत्मसमर्पण करने के लिए पहले ही चार सप्ताह का समय दिया है। मेहता ने उच्चतम न्यायालय के पूर्व के फैसलों का हवाला देते हुए कहा कि जहां अपील दायर की गई हो, वहां यह स्पष्ट रूप से बताया जाना चाहिए कि दोषी ने आत्मसमर्पण किया है या नहीं। उन्होंने कहा कि यदि दोषी ने आत्मसमर्पण नहीं किया है, तो आत्मसमर्पण से छूट के आवेदन के साथ दायर किए बिना अपील स्वीकार नहीं की जानी चाहिए।

मेहता ने कहा, ''अपील का अस्तित्व इस बात पर निर्भर करता है कि या तो यह प्रमाणपत्र दाखिल किया जाए कि उन्होंने आत्मसमर्पण कर दिया है या फिर उसे आत्मसमर्पण से छूट का अनुरोध करना होगा। ये केवल दो विकल्प हैं। मामले की गंभीरता को देखिये।''

विजय ने महिलाओं के लिए निःशुल्क बस यात्रा योजना के विस्तार, तीन मुफ्त सिलेंडर की घोषणा की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय ने सोमवार को महिलाओं के लिए नि:शुल्क बस यात्रा योजना के विस्तार की घोषणा की जिसके तहत लाभार्थी अब डीलक्स तथा एक्सप्रेस बस सेवाओं में भी मुफ्त यात्रा कर सकेंगी। विधानसभा में कई महत्वपूर्ण घोषणाएं करते हुए विजय ने तमिलगा वेत्री कषगम (टीवीके) के प्रमुख चुनावी वादों को पूरा करने की दिशा में तीन मुफ्त रसोई गैस सिलेंडर देने का भी ऐलान किया और कहा कि इसकी राशि सीधे लाभार्थियों के बैंक खातों में जमा की जाएगी।

उन्होंने यह भी घोषणा की कि अब परंदूर में प्रस्तावित ग्रीनफील्ड हवाई अड्डा परियोजना स्थापित नहीं की जाएगी और इसके लिए कोई अन्य स्थान चिह्नित किया जाएगा। इस हवाई अड्डा परियोजना का स्थानीय किसानों द्वारा भारी विरोध किया जा रहा था और वे अपनी जमीन देने के लिए तैयार नहीं थे।

विजय ने सदन में नियम 110 के तहत बयान देते हुए कहा, ''महिलाओं के लिए नि:शुल्क बस यात्रा योजना 'वेत्री पयनम' में आय सीमा या यात्राओं की संख्या जैसी कोई शर्त नहीं होगी।'' महिलाएं महानगरों और शहरी क्षेत्रों में संचालित होने वाली एक्सप्रेस, एलएसएस और डीलक्स सरकारी बसों के साथ-साथ उपनगरीय व पहाड़ी इलाकों में सामान्य बसों में भी मुफ्त यात्रा कर सकती हैं। उन्होंने कहा कि यह योजना गांधी जयंती के अवसर पर दो अक्टूबर को शुरू की जाएगी। उन्होंने कहा कि इस योजना पर राज्य सरकार प्रति वर्ष 6,000 करोड़ रुपये अतिरिक्त खर्च करेगी। अप्रैल में हुए विधानसभा चुनाव से पहले विजय द्वारा 'अन्नपूर्णी सुपर सिक्स' योजना का वादा किया गया था जिसके तहत तमिलनाडु के प्रत्येक पात्र परिवार को जीवन-यापन का खर्च कम करने के लिए हर साल छह मुफ्त एलपीजी सिलेंडर देने की बात कही गई थी लेकिन शुरुआती चरण में सोमवार को तीन मुफ्त रसोई गैस सिलेंडर देने की घोषणा की गई।

विजय ने कहा, ''इससे उन लोगों का बोझ कम होगा, जो सिलेंडर खरीदने के लिए ज्यादा भुगतान कर रहे हैं। सरकार ने रसोई गैस सिलेंडरों की लागत वहन करने का निर्णय लिया है। पहले चरण में तीन मुफ्त एलपीजी सिलेंडर दिए जाएंगे और उनकी कीमत सीधे लाभार्थियों के बैंक खातों में जमा की जाएगी।''

उन्होंने बताया कि इस योजना से करीब 2.5 लाख रुपये तक की वार्षिक आय वाले परिवारों, आर्थिक रूप से पिछड़े परिवारों, छोटे एवं मध्यम किसानों, दिव्यांगों और गरीब परिवारों को लाभ मिलेगा। इस योजना का लाभ कुल 1,30,16,104 परिवारों को मिलेगा।

विजय ने कहा, ''योजना पर काम शुरू हो गया है और यह योजना पोंगल (जनवरी के मध्य) 2027 के अवसर पर शुरू की जाएगी।'' उन्होंने कहा कि राज्य सरकार इस योजना के लिए हर साल 4,000 करोड़ रुपये आवंटित करेगी। विजय ने एक बड़े नीतिगत बदलाव की घोषणा करते हुए कहा कि परंदूर में अब ग्रीनफील्ड हवाई अड्डा परियोजना पर काम नहीं किया जाएगा और इसके लिए किसी वैकल्पिक स्थान की पहचान की जाएगी। उन्होंने कहा कि टीवीके सरकार जनता के साथ मजबूती से खड़ी है और हवाई अड्डे के कारण स्थानीय समुदायों को विस्थापित नहीं होने देगी। परियोजना के लिए चिह्नित लगभग 55 प्रतिशत भूमि में जलाशय और आर्द्रभूमि शामिल थे, जिससे रनवे का संचालन असुरक्षित हो सकता था और क्षेत्र में बाढ़ का खतरा था।

मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि सरकार विकास के खिलाफ नहीं है और अब चेन्नई के दूसरे हवाई अड्डे के लिए किसी वैकल्पिक स्थान की तलाश की जाएगी। नया स्थान विशेषज्ञों के तकनीकी व्यवहार्यता अध्ययनों के माध्यम से चिह्नित किया जाएगा और वहीं होगा जहां जनता का कोई विरोध न हो। उन्होंने बताया कि राज्य सरकार ने चेन्नई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के उत्तर-पश्चिम दिशा में पांचवां टर्मिनल स्थापित करने की योजना बनाई है, जिससे हवाई अड्डा प्रति वर्ष दो करोड़ अतिरिक्त यात्रियों को संभालने में सक्षम होगा। तीसरे टर्मिनल का काम पूरा होने के बाद हवाई अड्डा प्रति वर्ष 3.5 करोड़ यात्रियों को संभालने में सक्षम होगा। इस घोषणा पर विपक्षी द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) ने विरोध जताते हुए दावा किया कि हवाई अड्डे का स्थान बदलने से राज्य को भारी आर्थिक नुकसान होगा।

परंदूर में 27,400 करोड़ रुपये की लागत से 5,700 एकड़ से अधिक भूमि पर हवाई अड्डा बनाने की योजना मूलरूप से पूर्ववर्ती द्रमुक सरकार ने 2022 में तैयार की थी। इसके खिलाफ स्थानीय किसानों और एकानापुरम गांव के निवासियों ने लगभग 1,100 दिन तक प्रदर्शन करने का दावा किया, जो 24 अगस्त 2026 को आधिकारिक रूप से समाप्त हो गया।

परंदूर हवाई अड्डा परियोजना रोकने के विरोध में द्रमुक ने विधानसभा से किया बहिर्गमन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तमिलनाडु के पास परंदूर में हवाई अड्डा परियोजना को रोकने के सरकार के फैसले के विरोध में सोमवार को विपक्षी द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) ने विधानसभा से बहिर्गमन किया। मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय द्वारा किसानों के हित में परंदूर में चेन्नई के दूसरे हवाई अड्डे की परियोजना को रोकने और जल्द ही किसी वैकल्पिक स्थान की पहचान करने की घोषणा के तुरंत बाद, द्रमुक सदस्य ई.वी. वेलू ने आपत्ति जताई। उन्होंने विधानसभा अध्यक्ष जे. सी. डी. प्रभाकर से इस विषय पर चर्चा की अनुमति देने का आग्रह किया। हालांकि, विधानसभा अध्यक्ष ने यह कहते हुए चर्चा की अनुमति देने से इनकार कर दिया कि जब मुख्यमंत्री या कोई मंत्री सदन में वक्तव्य देता है तो उस पर बहस की अनुमति नहीं दी जा सकती।

प्रभाकर ने कहा कि यदि सदस्य चाहें तो विभाग की अनुदान मांगों पर चर्चा के दौरान इस मुद्दे को उठा सकते हैं। विधानसभा अध्यक्ष ने सख्त रुख अपनाते हुए कहा, विधानसभा नियम 55 के तहत जब कोई मंत्री या मुख्यमंत्री वक्तव्य देते हैं, तो बहस या विस्तृत स्पष्टीकरण की अनुमति नहीं होती है। नीतिगत बदलाव के सरकारी फैसले और इस मुद्दे पर चर्चा की अनुमति न मिलने के विरोध में द्रमुक सदस्यों ने विधानसभा से बहिर्गमन किया।

विधानसभा के बाहर पूर्व वित्त मंत्री टी. थेन्नरासु ने संवाददाताओं से कहा कि द्रमुक ने परियोजना की आवश्यकता पर चर्चा के लिए पहले ही एक 'ध्यान आकर्षण प्रस्ताव' प्रस्तुत किया था। उन्होंने कहा कि चर्चा को अचानक रोककर विधानसभा अध्यक्ष ने उनके बोलने के लोकतांत्रिक अधिकार का हनन किया है। उन्होंने दलील दी कि परंदूर हवाई अड्डा परियोजना चेन्नई और उसके आसपास के क्षेत्रों के औद्योगिक और आर्थिक विकास के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण थी।

थेन्नरासु ने कहा कि अन्य क्षेत्रों को मौजूदा हवाई अड्डों या परमाणु प्रतिष्ठानों के कारण अनुपयुक्त पाया गया था, जबकि इस स्थान का चयन पर्यावरण और बुनियादी ढांचे के टकराव से बचने के लिए व्यापक तकनीकी अध्ययनों के बाद किया गया था।

कार्ति चिदंबरम ने राष्ट्रगीत पर कांग्रेस के रुख का बचाव किया

मदुरै। कांग्रेस सांसद कार्ति पी चिदंबरम ने सोमवार को वंदे मातरम्' के गायन को लेकर अपनी पार्टी के रुख का बचाव करते हुए कहा कि कांग्रेस की राष्ट्रवाद और देशभक्ति की लंबी विरासत रही है और उसे भाजपा से कोई सीख लेने की जरूरत नहीं है। कार्ति ने यहां संवाददाताओं के समक्ष 'वंदे मातरम' के केवल दो अंतरों को गाए जाने को लेकर भाजपा द्वारा सवाल उठाए जाने पर निशाना साधा। उन्होंने कहा, हम राष्ट्रवादी हैं। हम ऐसी पार्टी से आते हैं जिसकी राष्ट्रवाद और देशभक्ति की लंबी विरासत रही है। इसलिए भाजपा को हम पर आक्षेप नहीं लगाना चाहिए।

'वंदे मातरम' के केवल दो अंतरों के गायन को लेकर हो रही आलोचना पर उन्होंने कहा, भाजपा को इतिहास पढ़ना चाहिए... महात्मा गांधी, जवाहरलाल नेहरू, सरदार वल्लभभाई पटेल, नेताजी सुभाष चंद्र बोस जैसे दिग्गजों ने सामूहिक रूप से यह फैसला किया था कि केवल दो अंतरे ही हमारे राष्ट्रीय गीत के रूप में उपयुक्त और पर्याप्त होंगे। अभिनेता से नेता बने तमिलनाडु के मुख्यमंत्री सी जोसेफ विजय को प्रधानमंत्री बनाने की मांग कर रहे उनके प्रशंसकों के बारे में पूछे जाने पर कांग्रेस नेता ने कहा कि शीर्ष पद हासिल करने के लिए 272 सांसदों का समर्थन जरूरी है। उन्होंने कहा, जो भी राजनीतिक गठबंधन यह संख्या हासिल करेगा, उसका नेता प्रधानमंत्री बनेगा।

अभिनेता धनुष के राजनीति में आने की संभावना को लेकर पूछे गए सवाल पर उन्होंने संक्षिप्त जवाब दिया, मैं उनकी फिल्में नहीं देखता। मेकेदातू बांध के विवादास्पद मुद्दे और तमिलनाडु तथा पुडुचेरी पर इसके प्रभाव को लेकर कार्ति ने कहा कि कावेरी प्रबंधन बोर्ड के अनुसार तमिलनाडु को हर साल कावेरी नदी के पानी में उसका उचित हिस्सा लगातार मिलते रहना जरूरी है। कार्ति ने हिरासत में होने वाली मौतों और 'ऑनर किलिंग' की घटनाओं पर गहरी चिंता जताई। उन्होंने हिरासत में होने वाली मौतों के लिए पुलिस की मानसिकता को जिम्मेदार ठहराते हुए आरोप लगाया कि पुलिस अब भी औपनिवेशिक बल की तरह व्यवहार करती है और पूछताछ के लिए क्रूर तथा 'थर्ड डिग्री' तरीकों का इस्तेमाल करती है।

श्रद्धांजलि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

तमिलनाडु विधानसभा में सोमवार को वयोवृद्ध अभिनेत्री श्रीमती सौकार जानकी के निधन पर शोक प्रस्ताव पारित किया गया और उन्हें दो मिनट की लिए मौन रहकर सदन ने श्रद्धांजलि दी।

ललिता ज्वेलरी मार्ट का शेयर कारोबार के पहले दिन करीब 24 प्रतिशत चढ़कर बंद

चेन्नई। आभूषण खुदरा कारोबार से जुड़ी कंपनी ललिता ज्वेलरी मार्ट लिमिटेड का शेयर सोमवार को बाजार में सूचीबद्ध होने के बाद अपने 201 रुपये के निर्गम मूल्य के मुकाबले करीब 24 प्रतिशत की बढ़त के साथ बंद हुआ। बीएसई पर कंपनी का शेयर निर्गम मूल्य से 31.99 प्रतिशत चढ़कर 265.30 रुपये पर सूचीबद्ध हुआ। कारोबार के दौरान यह 36.46 प्रतिशत की बढ़त के साथ 274.30 रुपये पर पहुंचा। अंत में 23.58 प्रतिशत चढ़कर 248.40 रुपये पर बंद हुआ।

एनएसई पर इसने 31.84 प्रतिशत की बढ़त के साथ 265 रुपये पर शुरुआत की। कारोबार के अंत में यह 23.60 प्रतिशत चढ़कर 248.44 रुपये पर रहा। कंपनी का बाजार मूल्यांकन 13,903.19 करोड़ रुपये रहा। ललिता ज्वेलरी मार्ट के आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) को पिछले सप्ताह बुधवार को बोली के अंतिम दिन 62.97 गुना अभिदान मिला था। आईपीओ के लिए मूल्य दायरा 190-201 रुपये प्रति शेयर तय किया गया था। आभूषण खुदरा कंपनी ने गोल्डमैन सैक्स, आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल म्यूचुअल फंड और बंधन म्यूचुअल फंड समेत बड़े (एंकर) निवेशकों से 508 करोड़ रुपये जुटाए हैं। ललिता ज्वेलरी मार्ट ने 1985 में चेन्नई के टी नगर में अपना पहला स्टोर' खोला था। कंपनी सोने, चांदी और हीरे के आभूषणों की बिक्री करती है।

उत्तर पश्चिम रेलवे

खुली निविदा सूचना (ई-निविदा द्वारा)

ई-निविदा संख्या: 35265290 दिनांक 20.08.2026 भारत के राष्ट्रपति के लिए एवं उनकी ओर से उप मुख्य सामग्री प्रबन्धक सामान्य भण्डार डिपो उत्तर पश्चिम रेलवे, जोधपुर द्वारा ई-निविदा आमंत्रित की जाती है। **1. मद का नाम :** सिंगल कोर, पतली दीवार वाली, इलेक्ट्रॉन बीम से ट्रीट की गई कॉपर केबल (साइज 150 sq mm, कॉपर कंडक्टर के साथ)। इसका वर्किंग वोल्टेज 750 V से ज्यादा और 1.8/3.0 KV तक है। यह रोलिंग स्टॉक एप्लीकेशन के लिए उपयुक्त है। यह RDSO स्पेसिफिकेशन नंबर ELRS/SPEC/ELEC/0019 Rev.-4 (फरवरी 2018) और उसके लेटेस्ट अमेंडमेंट के अनुसार होनी चाहिए (रेफरेंस तारीख टेंडर खुलने की तारीख के अनुसार होनी चाहिए)। स्वीकार्य मेक/ब्रांड/वेंडर: RDSO आइटम ID: 3100270 के अनुसार। नोट- मटीरियल तीन रंगों (लाल, पीला, नीला) में बराबर मात्रा में सप्लाई किया जाना चाहिए, **2. कार्य की अनुमानित लागत :** 52709118.51/- (रुपये पाँच करोड़ सत्ताईस लाख नौ हजार एक सौ अठारह रुपये और इक्यावन पैसे मात्र।) **3. बयाना राशि जो जमा करानी है :** 1054190.00/- (रुपये दस लाख चौवन हजार एक सौ नब्बे मात्र।) **4. ई-निविदा जमा करने की अन्तिम दिनांक व समय :** 16.09.2026 14:25 से पहले, **ई-निविदा खोलने की दिनांक व समय :** 16.09.2026 14:25 के बाद, **5. वेबसाइट विवरण जहां से ई-निविदा सम्बन्धित पूर्ण विवरण प्राप्त किया जा सकता है :** www.irep.gov.in, **6. कार्यालय का पता जहां से निविदा जारी की गयी :** उप मुख्य सामग्री प्रबन्धक कार्यालय सामान्य भण्डार डिपो उत्तर पश्चिम रेलवे जोधपुर 342001 राजस्थान, **नोट** - 1. यह ई-निविदा है इसमें किसी भी मैनुअल प्रस्तावों की अनुमति नहीं है और किसी भी तरह के मैनुअल निविदा को सरसरी तौर अस्वीकार कर दिया जाएगा। 2. निविदा दस्तावेज और बकाया राशि का भुगतान केवल आई.आर.ई.पी.एस. वेबसाइट पर भुगतान गेटवे की सुविधा के माध्यम से ई.-स्थानान्तरण से ही करे। 1226-DO/26

हमें /NWRailways NWRailways_ पर फॉलो करें

द्रमुक सांसद कनिमोझी और भाजपा ने कीर्तना का किया समर्थन, महिलाओं पर व्यक्तिगत हमलों की निंदा की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। द्रविड़ मुन्नेत्र कड़गम (डीएमके) सांसद कनिमोझी ने तमिलनाडु सरकार की मंत्री विरुधाई मगल कीर्तना से जुड़े विवाद का जिक्र करते हुए सार्वजनिक जीवन में महिलाओं पर होने वाले निजी हमलों की निंदा की। उन्होंने महिलाओं को उनके पहनावे, रूप-रंग और निजी जिंदगी को लेकर निशाना बनाना 'गंदी राजनीति' और पिछड़ी सोच बताया। कनिमोझी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट कर लिखा, लंबे समय से, पार्टी से जुड़े होने या न होने के बावजूद, सार्वजनिक जीवन में महिलाओं पर अभद्र हमले लगातार हो रहे हैं। पुरुष-प्रधान राजनीतिक माहौल में, हिम्मत दिखाने वाली महिलाओं का सामना न कर पाना और उनके पहनावे, रूप-रंग, निजी जिंदगी वगैरह के आधार पर उनकी आलोचना करना गंदी राजनीति की निशानी है। ऐसे हमलों से ही उन लोगों की दकियानूसी सोच का पता चलता है जो ऐसा करते हैं। महिलाओं को इन सब से पार पाना होगा और जीत हासिल करनी होगी। भाजपा नेता और तेलंगाना की पूर्व गवर्नर डॉ. तमिलिसाई सुंदरराजन ने भी ट्रोलिंग की निंदा की है। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट कर लिखा, मैं एक युवा महिला मंत्री के अपमानजनक और व्यक्तिगत ट्रोलिंग की कड़ी निंदा करती हूं। राजनीतिक मतभेद और वैचारिक असहमति कभी भी किसी महिला की गरिमा पर हमला करने का बहाना नहीं बनने चाहिए।

उन्होंने लिखा, उन्हें व्यक्तिगत हमलों से अपना बचाव करने में अपना कीमती समय बर्बाद नहीं करना चाहिए। इस तरह की ट्रोलिंग से अनावश्यक मानसिक दबाव बनता है और यह किसी भी महिला नेता के आत्मविश्वास, एकाग्रता और काम के नतीजों पर असर डाल सकती है। उनका समय और ऊर्जा उनके विभाग और लोगों की सेवा में लगनी चाहिए।

उत्तर पश्चिम रेलवे

ई-निविदा सूचना

ई-निविदा सूचना संख्या- **SnT-GS-BKN-2026-27-02**

मुख्य परियोजना प्रबंधक, गति शक्ति, उत्तर पश्चिम रेलवे बीकानेर भारत के राष्ट्रपति के लिए एवं उनकी ओर से निम्नलिखित कार्यों के लिए दिनांक 16/09/2026 को 15:00 बजे तक निम्नानुसार खुली ई-निविदा आमंत्रित करते हैं:- **कमांक:** 1, **निविदा संख्या:** SnT-GS-BKN-2026-27-02, **कार्य नाम व स्थान:** बीकानेर डिवीजन के अंतर्गत लालगढ़ स्टेशन पर कोचिंग रखरखाव सुविधाओं के विकास (चरण-II) के संबंध में टेलीकॉम कार्य। **कार्य की अनुमानित लागत मूल्य:** ₹ 46510114.96, **बिड सिक्यूरिटी राशि रूपये:** ₹ 930200.00, **निविदा प्रस्तुत करने की तिथि व समय:** बोली शुरू होने की तारीख 02/09/2026 निविदा बंद होने की तारीख और समय 16/09/2026 को 15:00 बजे तक। नोट:- अन्य शर्ते रेलवे की वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर देखी जा सकती है। 1223-DO/26

हमें /NWRailways NWRailways_ पर फॉलो करें

उद्घाटन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

सोमवार को चेन्नई के चेपॉक स्थित एझिलागम कॉम्प्लेक्स के कर्मचारी कल्याण हॉल में स्थित बाल देखभाल एवं भोजन कक्ष का उद्घाटन करते हुए आपदा एवं प्रबंधन मंत्री केए सेंगोत्तैयान। इसका उद्देश्य वहां कार्यरत अधिकारियों के कल्याण और कार्य वातावरण में सुधार लाना है। इस अवसर पर अतिरिक्त मुख्य सचिव/राजस्व प्रशासन आयुक्त एन. मुरुगनंदम, सूचना एवं सेवा आयुक्त, अतिरिक्त मुख्य सचिव/भूमि प्रशासन आयुक्त राजेश लखानी, सूचना एवं सेवा आयुक्त, अतिरिक्त मुख्य सचिव/भूमि सुधार आयुक्त हर सहाय मीना, सूचना एवं आपदा प्रबंधन सचिव के.एस. पलानीस्वामी और अन्य उच्च अधिकारी उपस्थित थे।

स्टालिन का परंदूर हवाई अड्डा परियोजना रोकने के मुद्दे पर मुख्यमंत्री विजय पर निशाना

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) अध्यक्ष एम. के. स्टालिन ने परंदूर हवाई अड्डा परियोजना को रोकने के मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय के फैसले पर निशाना साधते हुए सोमवार को कहा कि तमिलनाडु के हितों को ओछे राजनीतिक लाभ के लिए गिरवी नहीं रखा जा सकता। पूर्व मुख्यमंत्री ने द्रमुक के कार्यकाल में प्रस्तावित इस परियोजना को रोकने के फैसले पर निराशा जताते हुए कहा कि यह तमिलनाडु के विकास के लिए अपूरणीय क्षति है।

यहां जारी एक बयान में द्रमुक प्रमुख ने कहा, ''तमिलनाडु के मुख्यमंत्री द्वारा परंदूर अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा परियोजना को रोकने की आज की गई घोषणा राज्य के विकास को कई साल पीछे धकेल देगी। तमिलनाडु के हितों को ओछे राजनीतिक लाभ के लिए गिरवी नहीं रखा जा सकता।'' उन्होंने कहा कि परंदूर हवाई अड्डा परियोजना को रद्द करने का फैसला तमिलनाडु के युवाओं के रोजगार के सपनों पर करारा प्रहार है।

डीएमडीके ने विजयकांत के लिए भारत रत्न की मांग की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। देशीय मुरपोक्कु द्रविड़ कषगम (डीएमडीके) की महासचिव प्रेमलता विजयकांत ने सोमवार को अपनी पार्टी की इस मांग को दोहराया कि उसके संस्थापक और नेता विजयकांत को भारत रत्न से सम्मानित किया जाए। उन्होंने उनके 74वें जन्मदिन के अवसर पर पूरे तमिलनाडु में कई कल्याणकारी कार्यक्रम आयोजित करने की घोषणा की।

विजयकांत का जन्मदिन गरीबी उन्मूलन दिवस के रूप में मनाया जाता है। यहां पार्टी मुख्यालय में संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए प्रेमलता ने कहा कि डीएमडीके ने दिवंगत नेता को देश का सर्वोच्च नागरिक सम्मान देने के लिए केंद्र सरकार से आग्रह करते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को पहले ही औपचारिक ज्ञापन भेज दिया है। पार्टी के राजनीतिक गठबंधन की स्थिति स्पष्ट करते हुए प्रेमलता ने कहा कि डीएमडीके आगामी स्थानीय निकाय और उपचुनावों के लिए डीएमके के नेतृत्व वाले गठबंधन में मजबूती से बनी हुई है।

प्रेमलता तमिलनाडु विधानसभा में विरुधाचलम सीट का प्रतिनिधित्व करती हैं। उन्होंने कहा, जहां तक डीएमडीके का सवाल है, एक बार फैसला हो जाने और गठबंधन के समर्थन से जीत हासिल करने के बाद हम कभी अपना रुख नहीं बदलेंगे। चाहे कोई सोफा सेट आए, ब्यूरो आए या यहां तक कि कोई बड़ी गोदरेज अलमारी भी आए, हमारी स्थिति में कभी कोई बदलाव नहीं होगा। उन्होंने क्षणिक राजनीतिक दल-बदल की भी आलोचना की।

उत्तर पश्चिम रेलवे

ई-निविदा सूचना का प्रकाशन

256 सिग/21/2026-27 दिनांक 21/08/2026 भारत के राष्ट्रपति की ओर से और उनके लिए मंडल रेल प्रबन्धक/सं.व.दू.उ.प.रे., जोधपुर द्वारा निम्न लिखित सिगनलिंग एवं टेलीकॉम सम्बन्धी कार्य हेतु मुहरबंद ई निविदाएं आमंत्रित की जाती है। **1. निविदा सूचना सं. :** एसएण्डटी-जेयू-21-2026-27, **2. कार्य का नाम :** जोधपुर डिवीजन के विभिन्न सेक्शन में 6-क्वाड केबल की विश्वसनीयता बढ़ाने और उसके रखरखाव की व्यवस्था का कार्य। **3. कार्य की अनुमानित लागत :** रुपये 4,54,75,752/-, **4. ई निविदा जमाकर्ता कार्यालय का पूर्ण पता :** वरि. मंडल सिगनल एवं दूरसंचार इंजी. मंडल रेल प्रबन्धक कार्यालय हरीश जोशी मार्ग जोधपुर, **5. बयाना राशि (EMD) :** रुपये 9,09,500/-, **6. कार्य पूर्ण करने की अवधि :** 18 माह, **7. ई निविदा प्रपत्र जमा कराने एवं खुलने की तारीख व समय :** 15.09.2026 को 15:00 बजे तक। तथा ई टेंडर ऑन लाईन आई आर ई पी एस 15:00 बजे बन्द होने के तुरन्त बाद खोली जायेगी। **8. वैब साईट विवरण एवं नोटिस बोर्ड व कार्यालय जहॉ से टेण्डर का विवरण देखा जा सकें। एवं खरीद की जा सकें :** **www.ireps.gov.in** नोट:- यह एक ई टेण्डर हैं इसलिए इसमें भाग लेने के लिए ठेकेदार ई टेण्डरिंग के द्वारा उल्लेखित वैब साईट पर टेण्डर डाले। 1227-DO/26

हमें /NWRailways NWRailways_ पर फॉलो करें

भारतीय रिज़र्व बैंक
www.rbi.org.in
पर्यवेक्षण विभाग
क्षेत्रीय कार्यालय, राजाजी सालै, चेन्नई - 600 001

नोटिस

मेसर्स साजिली क्रेडिट्स एंड इन्वेस्टमेंट्स प्राइवेट लिमिटेड

(बीआरएच सनशाइन हाउस, न्यू नंबर 150, ओल्ड नंबर 231, पहली मंजिल, फेडरल बैंक बिल्डिंग के सामने, रॉयापेट्टा हाई रोड, रॉयापेट्टा, चेन्नई - 600014, तमिलनाडु और पहली मंजिल 115, तिरुवेंकटस्वामी रोड, आर.एस. पुरम वेस्ट, कोयंबत्तूर - 641002, तमिलनाडु स्थित)

भारतीय रिज़र्व बैंक ने **मेसर्स साजिली क्रेडिट्स एंड इन्वेस्टमेंट्स प्राइवेट लिमिटेड** को 14 जुलाई 2026 को कारण बताओ नोटिस जारी किया है, जिसमें 04 अगस्त 2026 को या उससे पहले लिखित रूप में कारण बताने की मांग की गई कि भारतीय रिज़र्व बैंक अधिनियम, 1934 की धारा 45-आईए के तहत उसे जारी किए गए पंजीकरण प्रमाणपत्र को क्यों नहीं रद्द किया जाना चाहिए। कंपनी को जारी किए गए, कारण बताओ नोटिस उन्हें सुपुर्द किए वापस कर दिया गया है और कंपनी ने आज तक कारण बताओ नोटिस का कोई जवाब प्रस्तुत नहीं किया है।

यह ध्यान दें कि, यदि **मेसर्स साजिली क्रेडिट्स एंड इन्वेस्टमेंट्स प्राइवेट लिमिटेड** इस नोटिस के प्रकाशन के 15 दिनों के भीतर, कारण बताओ नोटिस का कोई जवाब प्रस्तुत करने में विफल रहता है, तो इस संबंध में अतिरिक्त नोटिस जारी किए बिना भारतीय रिज़र्व बैंक, भारतीय रिज़र्व बैंक अधिनियम, 1934 की धारा 45-आईए के तहत कंपनी को जारी किए गए पंजीकरण प्रमाण पत्र को रद्द करने के लिए बाध्य होगा।

हस्ता/-
(चेल्लपाण्डी एस)
महाप्रबंधक

स्थान: चेन्नई
दिनांक: अगस्त 25, 2026

सेल्फी

पवित्र श्रावण मास के दौरान अजमेर में आयोजित 'कांवड़ यात्रा' के दौरान भगवान शिव का रूप धारण किए एक व्यक्ति के साथ सेल्फी लेते श्रद्धालु।

बालिकाओं व महिलाओं की 21 योजनाओं में एक रुपया तक खर्च नहीं हुआ: अशोक गहलोत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (कैग) की एक रिपोर्ट के हवाले से सोमवार को आरोप लगाया कि राज्य में बच्चों, बालिकाओं और महिलाओं के लिए चल रही 37 में से 21 योजनाओं में जमीन पर एक रुपया तक खर्च नहीं हुआ। गहलोत ने इसे राज्य की मौजूदा भारतीय जनता पार्टी सरकार की एक और शर्मनाक हकीकत करार दिया है। पूर्व मुख्यमंत्री ने एक बयान में कहा, कैग की रिपोर्ट ने भाजपा सरकार की एक और शर्मनाक हकीकत विधानसभा के सामने उजागर कर दी है। बच्चों, बालिकाओं और महिलाओं के लिए चल रही 37 में से 21 योजनाओं में जमीन पर एक रुपया तक खर्च नहीं हुआ।

उन्होंने कहा कि एक करोड़ से ज्यादा बच्चों, छात्राओं और महिलाओं के लिए तीन हजार करोड़ रुपए का बजट जारी हुआ, लेकिन खर्च शून्य रहा। गहलोत ने दावा किया कि कालीबाई भील स्कूटी योजना में 21.61 करोड़ रुपए, माँ बाड़ी केंद्रों के निर्माण में छह करोड़ रुपए, शिक्षा का अधिकार के तहत निजी स्कूल फीस भरपाई के

55.31 करोड़ रुपए तक खर्च नहीं हुए। उन्होंने कहा कि कॉलेजकी छात्राओं और महिलाओं की सभी नौ योजनाओं में तो एक रुपया भी खर्च नहीं हुआ, चाहे लाड़ली सुरक्षा योजना हो या परित्यक्ता महिला पेंशन योजना। उन्होंने कहा इन सबका सीधा नुकसान बच्चों और महिलाओं को हो रहा है, पर भाजपा सरकार को इसकी कोई परवाह नहीं है। गहलोत ने आरोप लगाया कि मौजूदा भाजपा सरकार, गत कांग्रेस सरकार द्वारा चलाई गईं इन जनहित की योजनाओं को अनौपचारिक रूप से बंद करने के रास्ते पर है। उन्होंने कहा, इस सरकार ने सत्ता में आते समय जिन योजनाओं को खुलेआम बंद करने की हिम्मत नहीं दिखाई, दुखद आश्चर्य है कि उन योजनाओं के लिए बजट घोषणा करने के बावजूद बजट खर्च क्यों नहीं किया जा रहा है। यह लापरवाही नहीं, बच्चों, बेटियों और महिलाओं के साथ धोखा है।

उच्चतम न्यायालय ने जोजरी नदी के किनारे से 100 मीटर के दायरे में निर्माण पर लगाई रोक

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नयी दिल्ली/जयपुर। उच्चतम न्यायालय ने राजस्थान में जोजरी नदी के किनारे से 100 मीटर के दायरे में किसी भी प्रकार की निर्माण या विकास गतिविधियों पर सोमवार को रोक लगा दी। न्यायमूर्ति विक्रम नाथ और न्यायमूर्ति संदीप मेहता की पीठ ने जोजरी नदी में प्रदूषण से संबंधित एक स्वतः संज्ञान वाले मामले में यह आदेश पारित किया। इससे पहले शीर्ष अदालत ने राज्य में बांडी और लूणी नदियों में प्रदूषण के मुद्दे पर भी सख्त रुख अपनाया था।

पीठ ने पर्यावरण को हुए गंभीर नुकसान और नदी के पारिस्थितिकी तंत्र के व्यापक विनाश का उल्लेख किया। पीठ ने कहा, ...हमारा सुविचारित मत है कि अधिकतम बाढ़ सीमा और आवश्यक पारिस्थितिक संरक्षण क्षेत्रों के वैज्ञानिक निर्धारण एवं सीमांकन की प्रक्रिया पूरी होने तक नदी के पारिस्थितिकी तंत्र की पर्याप्त सुरक्षा के लिए अंतरिम तौर पर एक निश्चित और संरक्षण क्षेत्र तय किया जाना आवश्यक है। पीठ ने निर्देश दिया, इसलिए, हम निर्देश देते हैं कि उपर्युक्त दिशा-निर्देशों के अनुसार नदी के किनारे से 100 मीटर के दायरे में किसी भी प्रकार की निर्माण या विकास गतिविधि की अनुमति नहीं दी जाएगी।

पीठ ने कहा कि अधिकतम बाढ़ सीमा का वैज्ञानिक रूप से निर्धारण और सीमांकन किया जाना अभी बाकी है।

पीठ ने कहा, ... हम एक अतिरिक्त अंतरिम सुरक्षा उपाय के रूप में यह निर्देशित करना आवश्यक समझते हैं कि अधिकतम बाढ़ सीमा और आवश्यक पारिस्थितिक बफर जोन के निर्धारण तथा सीमांकन के लिए वैज्ञानिक अभ्यास पूरा होने तक मौजूदा बाढ़ सीमा (जहां भी ऐसी बाढ़ सीमा तय की गई है) या नदी के वर्तमान प्रवाह मार्ग के दोनों ओर 500 मीटर के दायरे में नदी पारिस्थितिकी तंत्र को प्रदूषित करने व अन्य नुकसान पहुंचाने वाले किसी भी खतरनाक उद्योग या गतिविधि की अनुमति नहीं दी जाएगी। पीठ ने मामले की अगली सुनवाई के लिए 22 सितंबर की तारीख तय की। विस्तृत आदेश का इंतजार है।

इससे पहले सात अगस्त को शीर्ष अदालत ने राजस्थान सरकार को राज्य की जोजरी, बांडी और लूणी नदियों में प्रदूषण की समस्या से निपटने के लिए मुख्य सचिव की अध्यक्षता में एक सप्ताह के भीतर एक एकीकृत समन्वय समूह गठित करने का निर्देश दिया था। जोजरी नदी जोधपुर से होकर गुजरती है, बांडी नदी पाली से बहती है और लूणी नदी बालोतरा से होकर गुजरती है। बांडी और जोजरी नदियां बालोतरा शहर के पास लूणी नदी में मिल जाती हैं।

फर्जी प्रतिनियुक्ति आदेश से एक शिक्षिका ने कराया तबादला, जांच में खुली पोल; निलंबित

जयपुर। राजस्थान के अजमेर में एक शिक्षिका द्वारा कथित तौर पर फर्जी प्रतिनियुक्ति आदेश पेश कर हनुमानगढ़ के एक विद्यालय में खुद को कार्यमुक्त करवाने का मामला सामने आया है। पुलिस ने सोमवार को यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार, अजमेर के अजयसर के राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय के प्रधानाचार्य विनय कुमार जैन की प्राथमिकी पर गंज थाने में मामला दर्ज किया गया है। प्राथमिकी के मुताबिक सुमन देवी राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय में शिक्षिका हैं।

जैन ने आरोप लगाया है कि सुमन देवी ने 19 अगस्त को प्रारंभिक शिक्षा निदेशक (बीकानेर) के नाम से जारी एक आदेश विद्यालय में प्रस्तुत किया था जिसमें चुनाव आचार संहिता लागू होने का हवाला देते हुए आवेदक को हनुमानगढ़ के भादरा में राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय (ढाणी बेरवाल) में पदस्थापित किये जाने का उल्लेख था। आदेश में संबंधित कार्मिक को कार्यमुक्त करने के निर्देश दिए गए थे। प्रधानाचार्य ने आदेश को सही मानते हुए 19 अगस्त को विद्यालय समय समाप्त होने के बाद सुमन देवी को कार्यमुक्त कर दिया।

प्राथमिकी के अनुसार बाद में आदेश की जांच की गई तो वह कथित तौर पर फर्जी पाया गया। इसके बाद अजमेर के जिला शिक्षा अधिकारी (मुख्यालय-प्रारंभिक शिक्षा) ने सुमन देवी को निलंबित कर दिया। शिक्षिका के खिलाफ धोखाधड़ी एवं जालसाजी का मामला दर्ज कराया गया है। पुलिस ने जांच शुरू कर दी है।

पूजा

पवित्र श्रावण मास के चौथे सोमवार के अवसर पर आज मुख्यमंत्री निवास स्थित माँ राजराजेश्वरी मंदिर में देवों के देव महादेव का आशीर्वाद लेने के लिए पूरी गंभीरता से पूजा-अर्चना और अनुष्ठान किए गए।मैं महादेव से प्रार्थना करता हूँ कि राज्य के सभी लोगों के जीवन में सुख, शांति, समृद्धि और अच्छा स्वास्थ्य बना रहे, और राजस्थान तरक्की और विकास के रास्ते पर लगातार आगे बढ़ता रहे।

तहसील कार्यालय के वरिष्ठ सहायक सहित 2 दलाल 4,000 रुपये रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर / बांसवाड़ा। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (-उइ) की बांसवाड़ा इकाई ने सोमवार को कार्रवाई करते हुए तहसील कार्यालय बागीदौरा में पदस्थापित वरिष्ठ सहायक योगेन्द्र सिंह भाटी और उसके लिए रिश्वत की रकम लेने वाले दो निजी व्यक्तियों (दलालों) रतनसिंह व विठ्ठल को 4,000 रुपये की रिश्वत राशि लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार कर लिया। आरोपी गृह ऋण (होम लोन) से जुड़ी फाइलों को सब-रजिस्ट्रार कार्यालय से रजिस्टर्ड मॉर्टगेज करवाकर उपलब्ध कराने की एवज में रिश्वत की मांग कर रहे थे। परिवादी ने एसीबी चौकी बांसवाड़ा में शिकायत दर्ज कराई थी कि वह एक फाइनेंस कंपनी में कार्यरत है, जिसके माध्यम से ग्राहकों को गृह ऋण स्वीकृत किया जाता है। ऋण स्वीकृति से पहले आवेदकों की रजिस्ट्री को सब-रजिस्ट्रार कार्यालय से रजिस्टर्ड मॉर्टगेज करवाना अनिवार्य होता है। तहसील कार्यालय बागीदौरा का वरिष्ठ सहायक योगेन्द्र सिंह भाटी दो फाइलों को रजिस्टर्ड मॉर्टगेज करवाकर पत्रावलियां सौंपने के बदले रिश्वत की मांग कर परेशान कर रहा था। सत्यापन के दौरान 4,000 रुपये में तय हुआ सौदा शिकायत मिलने पर एसीबी द्वारा गोपनीय सत्यापन करवाया गया।

सत्यापन में पुष्टि: सत्यापन के दौरान आरोपी वरिष्ठ सहायक ने दोनों पत्रावलियों के एवज में 2,500 रुपये प्रति फाइल के हिसाब से कुल 5,000 रुपये की मांग की। बाद में बातचीत के दौरान 500-500 रुपये कम करते हुए कुल 4,000 रुपये रिश्वत लेने पर सहमति बनी। रिश्वत मांग की पुष्टि के बाद, एसीबी उप महानिरीक्षक पुलिस डॉ. रामेश्वर सिंह के सुपरविजन और उप अधीक्षक पुलिस रतन सिंह राजपुरोहित के नेतृत्व में ट्रैप रचा गया।ट्रैप के दौरान आरोपी योगेन्द्र सिंह भाटी ने परिवादी को 4,000 रुपये की रिश्वत राशि अपने परिचित रतनसिंह (दलाल) को देकर विठ्ठल (दलाल) तक पहुंचाने के निर्देश दिए।

रामनिवास मिर्धा को पुष्पांजलि

जयपुर। राजस्थान विधान सभा में सोमवार को पूर्व विधानसभा अध्यक्ष स्व. रामनिवास मिर्धा की जयंती पर उनके चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी गई। राजस्थान विधान सभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने स्व. मिर्धा के राजस्थान की संसदीय परंपराओं को समृद्ध करने में योगदान का स्मरण किया। स्व. मिर्धा ने सदन की गरिमा, मर्यादा और लोकतांत्रिक मूल्यों को सुदृढ़ करने के लिए महत्वपूर्ण कार्य किये। विधानसभा के प्रमुख सचिव भारत भूषण शर्मा सहित विधान सभा के अधिकारियों व कर्मचारियों ने स्व. मिर्धा के चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी।

मिस यूनिवर्स

मिस यूनिवर्स इंडिया 2026 की विनर केरल की काज़िया लिज़ मेजो, बाईं ओर तीसरी, फर्स्ट रनर-अप तमिलनाडु की वैष्णवी गणेश, दाईं ओर दूसरी, सेकंड रनर-अप गुजरात की अनुश्री सातवलेकर, बाईं ओर दूसरी, और अन्य लोग बॉलीवुड एक्टर सुष्मिता सेन के साथ।

आखिरी सावन सोमवार पर गूंजे हर-हर महादेव के जयकारे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बयाना। सावन के आखिरी सोमवार को बयाना क्षेत्र के शिवालयों में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। बयाना के प्रसिद्ध उषा मंदिर और पड़ेश्वर महादेव में सुबह से ही श्रद्धालुओं का तांता लगा रहा। मंदिर परिसर हर-हर महादेव और बम-बम भोले के जयकारों से गूंजते रहे। श्रद्धालुओं ने भगवान शिव का जलाभिषेक कर विधिवत पूजा-अर्चना की और परिवार की सुख-समृद्धि एवं खुशहाली की कामना की।

सावन का आखिरी सोमवार होने के कारण शिवालयों में विशेष धार्मिक माहौल देखने को मिला। बयाना सहित आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों और दूर-दराज से भी बड़ी संख्या में श्रद्धालु भगवान महादेव के दर्शन और पूजा-अर्चना के लिए पहुंचे।

श्रद्धालुओं की भीड़ को देखते हुए मंदिरों में व्यवस्थाएं भी की गईं। सुबह से ही मंदिर परिसरों में भक्ति, श्रद्धा और आस्था का माहौल बना रहा। श्रद्धालुओं ने कतार में लगकर भगवान शिव के दर्शन किए और पूजा-अर्चना कर धार्मिक अनुष्ठानों में भाग लिया।

चुनावी सरगर्मी के बीच पुलिस ने मतदाताओं एवं उम्मीदवारों को साइबर ठगों के प्रति आगाह किया

जयपुर। राजस्थान में नगरीय निकाय चुनाव की प्रक्रिया शुरू होने के बीच पुलिस ने मतदाताओं, प्रत्याशियों और चुनाव ड्यूटी में लगे कर्मियों को साइबर ठगों को लेकर आगाह किया है। पुलिस का कहना है कि साइबर ठग फर्जी 'वोटर लिंक', 'ओटीपी' और 'क्यूआर कोड' के जरिए ठग सकते हैं। अतिरिक्त महानिदेशक (साइबर अपराध) वी के सिंह ने बताया कि पुलिस मुख्यालय की साइबर अपराध शाखा ने इस बारे में परामर्श जारी किया है। सिंह ने कहा कि राज्य में चुनावी सुगबुगाहट के बीच साइबर ठग व्हाटसऐप या एसएमएस के जरिए अपना नाम वोटर लिस्ट में देखें, आपका पोलिंग बूथ बदल गया है जैसे संदेश भेजकर फर्जी लिंक भेज सकते हैं।

उन्होंने लोगों से ऐसे किसी भी संदिग्ध लिंक पर क्लिक नहीं करने और मतदाता सूची अथवा मतदान संबंधी जानकारी के लिए केवल आधिकारिक वेबसाइट का ही उपयोग करने की अपील की है। उन्होंने लोगों को आगाह किया कि वे निर्वाचन आयोग का अधिकारी बताकर मतदाता कार्ड अपडेट, सत्यापन अथवा अन्य चुनावी प्रक्रिया के नाम पर फोन करने वाले व्यक्ति को ओटीपी, बैंक विवरण, यूपीआई पिन या अन्य निजी जानकारी साझा नहीं करें। उन्होंने प्रत्याशियों एवं राजनीतिक कार्यकर्ताओं से भी कहा है कि वे विभिन्न सोशल मीडिया मंचों पर अपने सोशल 'अकाउंट' के लिए अतिरिक्त सत्यापन (2एफए) अनिवार्य रूप से सक्रिय रखें। अधिकारियों के अनुसार इस दौरान चुनावी चंदे के नाम पर 'क्यूआर कोड' से भी ठगी हो सकती है।

निर्वाचन आयुक्त ने निकाय चुनाव तैयारियों को गंभीरता से नहीं लेने पर नाराजगी जताई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राज्य निर्वाचन आयुक्त राजेश्वर सिंह ने आगामी नगर निकाय नगर निकाय चुनाव की तैयारियों में अपेक्षित गंभीरता नहीं बरतने वाले जिलों एवं अधिकारियों के प्रति सोमवार को नाराजगी जाहिर की। उन्होंने स्पष्ट कहा कि निर्वाचन के काम में किसी भी स्तर पर लापरवाही या शिथिलता स्वीकार नहीं की जाएगी। आधिकारिक बयान के अनुसार, नगर निकाय आम चुनाव-2026 के लिए नियुक्त रिटर्निंग अधिकारियों का प्रशिक्षण कार्यक्रम राजेश्वर सिंह की अध्यक्षता में वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से हुआ। इसमें सभी जिलों से संबंधित अधिकारी जुड़े। सिंह ने सभी जिलों के अधिकारियों से सीधे संवाद कर नगर निकाय चुनाव की तैयारियों और अब तक हुई प्रगति की जानकारी ली। उन्होंने जिलेवार चुनाव तैयारियों की समीक्षा की तथा अधिकारियों से चुनाव कार्य में आ रही समस्याओं के बारे में जानकारी लेकर उनका समाधान किया और आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

बीकानेर हाउस में आयोजित दस दिवसीय तीजोत्सव का हुआ समापन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। नई दिल्ली के बीकानेर हाउस में आयोजित दस दिवसीय तीजोत्सव क्राफ्ट एवं फूड मेला सोमवार को पूरे हर्षोल्लास के साथ समाप्त हुआ। इस तीजोत्सव में राजस्थान के विभिन्न अंचलों से आए दस्तकारों, हस्तकलाकारों सहित विविध कलाओं के कलाकारों और खानपान के स्टॉल्स पर लगभग 1 करोड़ 30 लाख रूपये से अधिक की रिकॉर्ड बिक्री हुई। प्रमुख आवासीय आयुक्त रोहित कुमार ने उत्सव में लगे आर्टिजंस के उत्पादों की रिकॉर्ड बिक्री पर उन्हें बधाई दी। उन्होंने बताया कि इस दस दिवसीय तीजोत्सव में इस बार प्रथम दिन से ही खूब भीड़ देखी गई। राजस्थान के हस्तशिल्प कलाकारों द्वारा बनाए गए उत्पादों, स्वादिष्ट व्यंजनों, सांस्कृतिक संध्याओं और पारंपरिक खेल प्रतियोगिताओं का दर्शकों ने खूब आनंद लिया।

रूडा के सलाहकार ओम प्रकाश ने बताया कि मेले में रूडा की तरफ से लगाएं गए 25 राजस्थानी हस्तशिल्प और परिधानों से जुड़े स्टॉल्स पर लगे उत्पादों को आगंतुकों ने काफी पसंद कर खूब खरीदारी की। उन्होंने बताया कि पिछले वर्षो की अपेक्षा इस वर्ष इस दस दिवसीय मेले में रिकॉर्ड बिक्री हुई।

राजीविका की सुअनुपमा सक्सेना ने बताया कि मेले में राजीविका के माध्यम से दिल्ली आए महिला स्वयं सहायता समूहों से जुड़ी विभिन्न पुरस्कारों से सम्मानित इन कलाकारों द्वारा 15 स्टॉल्स लगाए गए जिनमें हैंडब्लॉक बेडशीट, सूट, साड़ियों, कंगन और ज्वैलरी, मोजड़ियां, लाख की वस्तुएं, चमड़े से बने सामान सहित राजस्थानी व्यंजनों के स्टॉल्स पर खूब बिक्री हुई।

इसी प्रकार इस वर्ष तीजोत्सव में सरस के दुग्ध उत्पादों को लोगों ने काफी पसंद किया और लगभग 3 लाख रूपये से अधिक की खरीदारी की। विभिन्न जिला दुग्ध संघों से प्राप्त मिठाईयों में अलवर का कलाकंद, बीकानेर के रसगुल्ले, गुलाब जामुन, गाय का घी, छाछ, लस्सी पनीर और श्रीखंड ने लोगों मे अपनी अलग पहचान बनाई। इस अवसर पर संयुक्त आवासीय आयुक्त श्रीमती रिंकू मीना ने बताया कि इस बार उत्सव का केन्द्रीय मंत्री अर्जुन राम मेघवाल, भागीरथ चौधरी, सांसद, राजस्थान के मुख्य सचिव, भारतीय प्रशासनिक सेवा, पुलिस सेवा, वन सेवा के अधिकारियों सहित केन्द्र एवं राज्य सरकार के कई उच्च अधिकारियों ने अवलोकन किया।

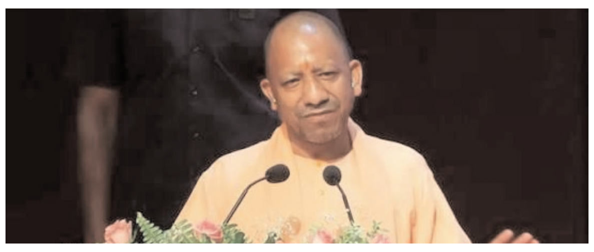

कोई भी गुंडा अपने को सपा के संस्कारों के करीब पाता है : योगी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

रायबरेली/भाषा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को कांग्रेस और समाजवादी पार्टी (सपा) पर तीखा हमला बोला। उन्होंने आरोप लगाया कि गांव से लेकर प्रदेश तक कोई भी गुंडा अपने आप को सपा के संस्कारों के करीब पाता है। योगी ने रायबरेली में 879 करोड़ रुपये से अधिक की 346 विकास परियोजनाओं का उद्घाटन व शिलान्यास करने के बाद जनसभा को संबोधित करते हुए कांग्रेस पर स्वतंत्रता सेनानियों और देश के नायकों को उचित सम्मान नहीं देने का आरोप लगाया। मुख्यमंत्री ने कहा कि कांग्रेस का मानना है कि केवल गांधी परिवार को सम्मान मिलना चाहिए, जबकि सपा अपने सैफई सिंडिकेट तक सीमित है।

योगी ने आरोप लगाया कि सपा शासन में गुंडों का काम गरीबों की जमीन पर कब्जा करना, व्यापारियों से चौथ वसूलना व बेटियों की सुरक्षा को खतरे में डालना था। सपा प्रमुख अखिलेश यादव पर निशाना साधते हुए योगी ने उनके हालिया बयान का जिक्र किया और कहा कि सपा परिवारवाद की राजनीति करती है।

सावन के आखिरी सोमवार को प्रदेश के प्रमुख शिव मंदिरों में उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

वाराणसी/मथुरा/बाराबंकी/भाषा। सावन के आखिरी सोमवार को उत्तर प्रदेश के प्रमुख शिव मंदिरों में सुबह से ही श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। वाराणसी के काशी विश्वनाथ मंदिर, मथुरा-वृंदावन के प्रमुख शिवालयों और बाराबंकी के लोधेश्वर महादेव मंदिर में भक्तों ने जलाभिषेक कर पूजा-अर्चना की।

वाराणसी में मंगला आरती के बाद काशी विश्वनाथ मंदिर के कपाट खुलते ही कांवड़ियों और अन्य श्रद्धालुओं ने बाबा विश्वनाथ का जलाभिषेक शुरू कर दिया। मंदिर प्रशासन के अनुसार, सुबह सात बजे तक करीब एक लाख श्रद्धालु दर्शन कर चुके थे। मंदिर को फूलों और रुद्राक्ष की मालाओं से सजाया गया था। श्रद्धालुओं के स्वागत के लिए उन पर गुलाब की पंखुड़ियों की वर्षा भी की गई। भारी भीड़ को नियंत्रित करने के लिए विभिन्न स्थानों पर बैरिकेडिंग की गई थी। श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए छाया, पेयजल, चिकित्सा शिविर और खोया-पाया केंद्र की भी व्यवस्था की गई। मथुरा में बारिश के बावजूद प्रमुख शिव मंदिरों के बाहर श्रद्धालुओं की लंबी कतारें लगी रहीं। मंदिरों में 'फूल बंगला', 'छप्पन भोग' और रुद्राभिषेक सहित कई विशेष आयोजन किए गए। वृंदावन के ऐतिहासिक गोपेश्वर महादेव मंदिर में भी सुबह से भक्तों ने पूजा-अर्चना की। शाम को मंदिर में 'फूल बंगला' सजाया गया। मथुरा के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्लोक कुमार ने बताया कि कांवड़ियों की सुरक्षा के लिए विशेष इंतजाम किए गए हैं। बाराबंकी के प्रसिद्ध लोधेश्वर महादेव मंदिर में रविवार शाम से ही श्रद्धालुओं का पहुंचना शुरू हो गया था। भारी भीड़ को देखते हुए दर्शन और जलाभिषेक के लिए मंदिर के कपाट आधी रात के आसपास खोल दिए गए। मंदिर परिसर में 'हर हर महादेव' और 'बम बम भोले' के जयकारे गूंजते रहे। हजारों कांवड़िये डाक कांवड़ के माध्यम से भी लोधेश्वर महादेव पहुंचे। श्रद्धालुओं ने भगवान शिव को बेलपत्र, दूध और गंगाजल अर्पित कर परिवार की सुख-समृद्धि और कल्याण की कामना की। जिलाधिकारी ईशान प्रताप सिंह व पुलिस अधीक्षक अर्पित विजयवर्गीय ने रविवार रात से ही मेला क्षेत्र में मौजूद रहकर सुरक्षा व भीड़ प्रबंधन की व्यवस्थाओं की निगरानी की।

गोयल ने जापानी कंपनियों से भारत से इस्पात खरीदने का आग्रह किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/तोक्यो/भाषा। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने सोमवार को जापानी कंपनियों से भारत से इस्पात खरीदने का आग्रह करते हुए कहा कि भारतीय कंपनियां उच्च गुणवत्ता वाले उत्पादों का विनिर्माण करती हैं।

उन्होंने कहा कि अमेरिका (50 प्रतिशत), ब्रिटेन और यूरोपीय संघ सहित अन्य देशों द्वारा लगाए गए उच्च शुल्क की तुलना में भारत ने इस्पात पर केवल 12 प्रतिशत रक्षोपाय (सेफगार्ड) शुल्क लगाया है। गोयल यहां जापानी व्यवसायों के साथ एक गोलमेज बैठक के दौरान सेफगार्ड शुल्क पर सवालों का जवाब दे रहे थे। भारत ने सेफगार्ड शुल्क लगाने में संतुलित नजरिया अपनाया है। केवल निचली श्रेणी के उत्पादों पर ही यह शुल्क लगाया गया है। उन्होंने कहा कि दुनिया भर के देश अतिरिक्त इस्पात क्षमता का सामना कर रहे हैं और इसके चलते अपने घरेलू उद्योगों की सुरक्षा के लिए संरक्षण उपाय कर रहे हैं। भारतीय उद्योग ने चीन जैसे देशों में इस्पात की अतिरिक्त क्षमता को लेकर चिंता जताई है।

पटना हवाई अड्डे पर उतरते समय एयर इंडिया के विमान से पक्षी टकराया, सभी यात्री सुरक्षित

पटना/भाषा। बिहार की राजधानी पटना के जयप्रकाश नारायण अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर सोमवार सुबह दिल्ली से आए एयर इंडिया के एक विमान के उतरते समय, उससे एक पक्षी टकरा गया। अधिकारियों ने यह जानकारी देते हुए बताया कि विमान में सवार सभी 164 यात्री और चालक दल के सदस्य सुरक्षित हैं। हवाई अड्डे के एक अधिकारी ने बताया कि दिल्ली-पटना उड़ान एआई-1741 पटना के जयप्रकाश नारायण अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर सुबह 7:44 बजे उतरने वाली थी, तभी पायलट ने पक्षी से टकराने की आशंका की सूचना दी। उन्होंने कहा, विमान के सुरक्षित उतरने के बाद अधिकारियों ने एहतियात के तौर पर हवाई पट्टी का निरीक्षण किया। अधिकारी के अनुसार, इस घटना से हवाई अड्डे पर उड़ान संचालन प्रभावित नहीं हुआ और सभी यात्री पूरी तरह सुरक्षित हैं।

बेरोजगारी दर 40 वर्षों में उच्चतम स्तर पर : प्रियंका

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा ने देश में बेरोजगारी की स्थिति को लेकर सोमवार को सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि बेरोजगारी दर पिछले 40 वर्षों में सबसे ऊंचे स्तर पर है और युवाओं में व्यापक असंतोष एवं निराशा है। 'एक राष्ट्र, एक चुनाव' संबंधी संसद की संयुक्त समिति की बैठक के लिए संसद पहुंचीं प्रियंका गांधी ने यह भी कहा कि युवाओं में बढ़ती हताशा छात्र आंदोलनों में भी दिखाई दी है। उन्होंने दावा किया कि मौजूदा स्थिति के पीछे एक असफल शिक्षा व्यवस्था और पिछले 12 वर्षों में रोजगार के पर्याप्त अवसर पैदा नहीं होना प्रमुख कारण हैं। प्रियंका गांधी ने संवाददाताओं से कहा, ''पिछले 12 वर्षों में रोजगार सृजन नहीं हुआ है। विनिर्माण क्षेत्र और सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) पर कोई जोर नहीं दिया गया।''

कांग्रेस नेता के मुताबिक, कुछ नीतियां छोटे कारोबारों को प्रभावित कर रही हैं, जबकि छोटे कारोबारी बड़ी संख्या में लोगों को रोजगार उपलब्ध कराते हैं। उन्होंने कृषि क्षेत्र का भी जिक्र करते हुए कहा कि वहां भी रोजगार और आजीविका से जुड़े अवसरों पर पर्याप्त ध्यान नहीं दिया गया। प्रियंका गांधी ने कहा कि बेरोजगारी का मुद्दा उनकी पार्टी लंबे समय से उठाती रही है और युवाओं में व्याप्त असंतोष तथा निराशा मौजूदा स्थिति की गंभीरता को दर्शाती है।

सड़क से विधानसभा तक हम छात्रों की आवाज मजबूती से उठाएंगे : तेजस्वी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पटना/भाषा। राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष तेजस्वी यादव ने सोमवार को यहां गर्दनीबाग में धरने पर बैठे विद्यार्थियों से तीसरी बार मुलाकात की और कहा कि उनकी आवाज सड़क से विधानसभा तक मजबूती से उठाई जाएगी। पिछले तीन सप्ताह से गर्दनीबाग में शिक्षक नियुक्ति अभ्यर्थी, बिहार कर्मचारी चयन आयोग (बीएसएससी) के अभ्यर्थी, पीएचडी डिग्रीधारी तथा अतिथि शिक्षक अलग-अलग शिविरों में धरना दे रहे हैं। प्रदर्शनकारी बीपीएससी की शिक्षक भर्ती परीक्षा (टीआरई-4) के लिए एक स्तरीय परीक्षा, बीएसएससी की लंबित भर्तियां, हिंदी माध्यम के अभ्यर्थियों के लिए समान अवसर, प्राध्यापकों की नियुक्ति में यूजीसी नियमों के पालन तथा आयु सीमा में वृद्धि समेत कई मांगें उठा रहे हैं। तेजस्वी ने विद्यार्थियों से कहा, हम आपकी मांगों के समर्थन में मजबूती से खड़े हैं। चाहे सड़क हो या विधानसभा, हर जगह हम आपकी आवाज उठाएंगे। धरने पर बैठे तीन समूहों में से एक ने चेतावनी दी है कि यदि सरकार मंगलवार तक सार्थक वार्ता नहीं करती है तो वह मुख्यमंत्री के सरकारी आवास का घेराव करेगा।

तेजस्वी यादव ने एक दिन पहले भी प्रदर्शनकारियों को समर्थन देते हुए मंगलवार के प्रस्तावित घेराव का समर्थन किया था। इस बीच, पीएचडी अभ्यर्थियों ने शनिवार को बिहार लोक भवन की ओर मार्च किया था, जिसे रोकने के लिए पुलिस ने हल्का बल प्रयोग कर भीड़ को तितर-बितर किया था।

'चोर दरवाजे' से आरक्षण खत्म करने की योजना पर काम कर रही है मोदी सरकार : खरगे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने केंद्र सरकार में खाली पदों को लेकर सोमवार को आरोप लगाया कि मोदी सरकार अनुसूचित जाति (एससी), अनुसूचित जनजाति (एसटी) और अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) आरक्षण को ''चोर दरवाजे से खत्म करने की योजना'' पर काम कर रही है।

खरगे ने सूचना के अधिकार के तहत मिली जानकारी का हवाला देते हुए मोदी सरकार पर निशाना साधा और कहा कि सामाजिक न्याय का विरोध भाजपा का एजेंडा है। उन्होंने कहा, ''वर्ष 2015 में केंद्र सरकार में 4.21 लाख पद खाली थे, जबकि 2024 में यह संख्या बढ़कर 8.24 लाख हो गई। रेलवे में 2.40 लाख, रक्षा क्षेत्र में 2.41 लाख और गृह मंत्रालय में 1.10 लाख पद खाली हैं।'' कांग्रेस अध्यक्ष ने दावा किया कि सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों में 5.1 लाख स्थायी नौकरियां खत्म हो गईं और ठेका कर्मचारियों की हिस्सेदारी 19 प्रतिशत से बढ़कर 49 प्रतिशत हो गई। उन्होंने कहा, ''सवाल सिर्फ रोजगार का नहीं, सामाजिक न्याय का है।'' खरगे ने आरोप लगाया कि सरकारी पदों को खाली रखने से आरक्षण के अवसर कम होते हैं, पीएसयू के निजीकरण से आरक्षित नौकरियां प्रभावित होती हैं और स्थायी नौकरियों को ठेका व्यवस्था में बदलने से भी आरक्षण का लाभ खत्म होता है।

उन्होंने कहा, ''आरक्षण खत्म करने के लिए संविधान बदलना जरूरी नहीं, आरक्षण वाली नौकरियां खत्म कर देना ही काफी है।''

खरगे ने भाजपा पर ''सामाजिक न्याय विरोधी'' एजेंडा अपनाने का आरोप लगाते हुए कहा कि सरकारी पदों को खाली रखना, पीएसयू का विनिवेश करना और ठेका व्यवस्था को बढ़ावा देना, एससी, एसटी, ओबीसी और ईडब्ल्यूएस वर्गों के संवैधानिक अधिकारों को प्रभावित करता है। उन्होंने आरोप लगाया कि बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर के संविधान से मिले अधिकारों को षड्यंत्र के तहत ''खत्म करने'' की भाजपा की नीति का अब पर्दाफाश हो गया है।

अरुण जेटली को उनकी पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि दी

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेताओं और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के पदाधिकारियों ने सोमवार को देश के पूर्व वित्त मंत्री अरुण जेटली की पुण्यतिथि पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता, आरएसएस के सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले, दिल्ली प्रदेश भाजपा अध्यक्ष हर्ष मल्होत्रा, दिल्ली विधानसभा अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता, भाजपा के कई विधायक और अन्य नेताओं ने दिल्ली भाजपा कार्यालय तथा सिरी फोर्ट सभागार में आयोजित श्रद्धांजलि कार्यक्रमों में हिस्सा लिया। अरुण जेटली की पत्नी संगीता, बेटे रोहन और बेटी सोनाली ने भी उन्हें श्रद्धांजलि दी। दिल्ली के उपराज्यपाल तरनजीत सिंह संधू ने भी जेटली को पुष्पांजलि अर्पित की।

सुबह दिल्ली भाजपा कार्यालय में औपचारिक श्रद्धांजलि कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसके बाद सिरी फोर्ट स्थित अरुण जेटली पार्क में स्मृति कार्यक्रम हुआ। मल्होत्रा ने कहा, अरुण जी केवल पूर्व वित्त मंत्री नहीं थे, बल्कि एक प्रखर वक्ता, कुशल संगठनकर्ता और सबसे बढ़कर सभी के मित्र थे। उनके राजनीतिक विरोधी भी उन्हें सम्मानपूर्वक सुनते थे, क्योंकि उनकी बातों में तर्क, तथ्य और आत्मीयता होती थी। मुख्यमंत्री गुप्ता ने जेटली को छात्र नेता, कुशल वकील, खेलों के प्रति उत्साही और ऐसे राजनेता के रूप में याद किया, जिन्होंने दिल्ली की जनता की सेवा की और हमेशा शहर के विकास के लिए आवाज उठाई। राष्ट्रीय महासचिव (संगठन) शिव प्रकाश और केंद्रीय राज्य मंत्री जितेंद्र सिंह ने भी सिरी फोर्ट में आयोजित कार्यक्रम में हिस्सा लिया।

मुंबई हवाई अड्डे के टर्मिनल-1 के उत्तरी हिस्से को 15 जनवरी से ढहाया जाएगा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/मुम्बई/भाषा। अदाणी समूह के संचालन वाले मुंबई हवाई अड्डे के टर्मिनल-1 (टी1) के उत्तरी हिस्से को अगले साल 15 जनवरी से ढहाने का काम शुरू होगा। इसके हवाई यातायात को टर्मिनल-2 (टी2) और नवी मुंबई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर स्थानांतरित करने की प्रक्रिया शुरू हो गई है। हवाई अड्डे की संचालक फर्म मुंबई इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड (एमआईएएल) ने नागर विमानन मंत्रालय को भेजे 13 अगस्त के पत्र में कहा है कि पुनर्विकास के पहले चरण में टर्मिनल-1बी के उत्तरी हिस्से को ढहाया जाएगा। यह हिस्सा सालाना करीब 50 लाख यात्रियों की आवाजाही संभालता है। करीब 80 साल पुराने टी1 के कुछ हिस्सों को पहले ही गिराया जा चुका है।

मुंबई के छत्रपति शिवाजी महाराज अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के टी1 और टी2 की क्षमता क्रमशः करीब 1.5 करोड़ और चार करोड़ यात्रियों को संभालने की है।

विपक्ष ने मंत्रियों के आवासों पर हुए खर्च को लेकर सरकार पर निशाना साधा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस, कॉकरोच जनता पार्टी (कॉजपा) और आम आदमी पार्टी (आप) ने केंद्र सरकार पर अपनी प्राथमिकताएं दुरुस्त नहीं रखने का आरोप लगाते हुए कहा है कि पिछले वित्त वर्ष में केंद्रीय मंत्रियों के आधिकारिक आवासों के रखरखाव पर रिकॉर्ड 92.35 करोड़ रुपये खर्च किए गए, जबकि देश में महंगाई, बेरोजगारी की समस्या विकराल रूप ले चुकी है तथा नए स्कूलों की जरूरत है।

कॉजपा ने औपनिवेशिक काल के इन बंगलों के रखरखाव के बढ़ते खर्च से संबंधित 'पीटीआई-भाषा' की एक खबर पर प्रतिक्रिया देते हुए सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर कहा, ''अपने आलीशान घरों का रखरखाव बंद कीजिए और विद्यालयों की हालत सुधारिए।'' कॉजपा ने अपनी पोस्ट में कहा, ''92 करोड़ रुपये यानी 10 नए विश्वस्तरीय सरकारी स्कूल। पैसा उपलब्ध है, लेकिन उसे सरकारी विद्यालयों पर खर्च करने की मंशा नहीं है।'' अभिजीत दीपके ने प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत की ''कॉकरोच'' संबंधी टिप्पणी की व्यंग्यात्मक प्रतिक्रिया के तौर पर मई में कॉजपा की स्थापना की थी। इसके बाद कॉजपा बेरोजगारी और परीक्षाओं में अनियमितताओं जैसे मुद्दों पर केंद्रित एक व्यापक युवा आंदोलन के रूप में उभरी है। कॉजपा का हालिया अभियान सरकारी विद्यालयों की स्थिति पर केंद्रित है। कांग्रेस की सोशल मीडिया विभाग की प्रमुख सुप्रिया श्रीनेत ने मंत्रियों के सरकारी बंगलों के नवीनीकरण और साज-सज्जा पर किए जा रहे खर्च को लेकर सरकार की आलोचना की। उन्होंने 'एक्स' पर पोस्ट किया, 2025-26 में 92.35 करोड़ रुपये खर्च किए गए। 2014-15 में 27.47 करोड़ रुपये खर्च किए गए थे। यानी अब यह खर्च तीन गुने से भी अधिक हो गया है। आम जनता महंगाई और बेरोजगारी से जूझ रही है, लेकिन इन्हें (सरकार) इसकी क्या परवाह है? इस बीच, आम आदमी पार्टी (आप) के नेता एवं दिल्ली के पूर्व मंत्री सोमनाथ भारती ने इस खर्च की तुलना अरविंद केजरीवाल के मुख्यमंत्री रहते उनके आधिकारिक आवास के निर्माण और नवीनीकरण को लेकर हुए विवाद से की। भारती ने 'एक्स' पर लिखा, गोदी मीडिया मोदी सरकार के मंत्रियों के घरों की मरम्मत पर 92 करोड़ रुपये के इस खर्च पर बहस क्यों नहीं करता, जबकि उसने मुख्यमंत्री आवास के निर्माण को लेकर केजरीवाल सरकार की आलोचना करने में कोई कसर नहीं छोड़ी थी? भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने केजरीवाल के सिविल लाइंस स्थित पूर्व आधिकारिक आवास पर हुए खर्च को बड़ा राजनीतिक मुद्दा बनाया था।

सीतारमण कनाडा, अमेरिका की आठ दिवसीय आधिकारिक यात्रा पर जाएंगी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण जी-20 के वित्त मंत्रियों और केंद्रीय बैंक के गवर्नरों (एफएमसीबीजी) की बैठक में भाग लेने के 25 अगस्त से दो सितंबर तक कनाडा और अमेरिका की आधिकारिक यात्रा पर रवाना होंगी। इस दौरान वह द्विपक्षीय आर्थिक तथा वित्तीय सहयोग, निवेश के अवसरों और वैश्विक आर्थिक प्राथमिकताओं पर बातचीत भी करेंगी। वित्त मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि अपनी यात्रा के पहले चरण में टोरंटो में सीतारमण कनाडा के वित्त और राष्ट्रीय राजस्व मंत्री फ्रांस्वा-फिलिप 'शैम्पेन के साथ 'आर्थिक और वित्तीय संवाद' में भाग लेंगी। बयान में कहा गया कि इस संवाद में व्यापक आर्थिक घटनाक्रमों, वित्तीय क्षेत्र के सहयोग, द्विपक्षीय निवेश अवसरों और साझा अंतरराष्ट्रीय प्राथमिकताओं को शामिल किए जाने की उम्मीद है। इससे नए सिरे से शुरू हुई भारत-कनाडा साझेदारी के आर्थिक और वित्तीय संबंधों को मजबूती मिलेगी। हाल के महीनों में, दोनों पक्षों ने ऊर्जा, महत्वपूर्ण खनिज, प्रौद्योगिकी, नवोन्मेष और मजबूत आपूर्ति श्रृंखला जैसे क्षेत्रों में सहयोग के साथ ही व्यापक आर्थिक भागीदारी समझौते (सीईपीए) की दिशा में जारी प्रयासों पर चर्चा की है।

सीतारमण ऊर्जा, कृत्रिम मेधा और महत्वपूर्ण खनिजों सहित विभिन्न क्षेत्रों के प्रमुख व्यापारिक प्रतिनिधियों के साथ एक निवेश गोलमेज सम्मेलन में भी भाग लेंगी। इसका मकसद कंपनियों के बीच (बी2बी) संपर्कों को बढ़ावा देना और गिफ्ट सिटी-आईएफएससी सहित निवेश के अवसरों की पहचान करना है। इसके अलावा, वह टोरंटो में भारतीय प्रवासियों से भी बातचीत करेंगी। यात्रा के दूसरे चरण में वह 28 अगस्त से दो सितंबर के बीच अमेरिका के शिकागो, ऐशविले और न्यूयॉर्क शहर जाएंगी। वह शिकागो में एक निवेशक गोलमेज सम्मेलन में भाग लेंगी और भारत के निवेश अवसरों, आर्थिक संभावनाओं तथा व्यावसायिक साझेदारी को मजबूत करने पर चर्चा करेंगी। इसके बाद वह नॉर्थ कैरोलिना के ऐशविले जाएंगी, जहां वह 31 अगस्त और एक सितंबर को जी20 समूह की अमेरिकी अध्यक्षता के तहत वित्त मंत्रियों और केंद्रीय बैंक के गवर्नरों की बैठक में भारतीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व करेंगी।

केवाईसी दस्तावेज जमा कराने के बाद अभिषेक का बैंक खाता फिर से चालू

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। कलकत्ता उच्च न्यायालय ने तृणमूल कांग्रेस के नेता अभिषेक बनर्जी द्वारा केवाईसी (अपने ग्राहक को जानो) से जुड़े दस्तावेज निजी बैंक में जमा कराए जाने के बाद उनका बैंक खाता और डेबिट एवं क्रेडिट कार्ड फिर से चालू होने का संज्ञान लेते हुए सांसद की याचिका का सोमवार को निपटारा कर दिया। बनर्जी के वकील अयन भट्टाचार्य ने दावा किया था कि 10 अगस्त को उनके बैंक खाते में लेन-देन पर रोक (फ्रीज) लगा दी गई थी और उनके 'डेबिट एवं क्रेडिट कार्ड ब्लॉक' (बाधित) कर दिए गए थे। उसी दिन उच्चतम न्यायालय ने उन्हें चिकित्सकीय कारणों से विदेश यात्रा की अनुमति दी थी।

उन्होंने अदालत को बताया कि डायमंड हार्बर से सांसद बनर्जी की इस सप्ताह विदेश जाने की योजना है। बनर्जी की याचिका पर सुनवाई के दौरान न्यायमूर्ति कृष्ण राव ने मौखिक टिप्पणी की कि किसी भी ग्राहक के मामले में बैंक को केवाईसी अद्यतन करने के लिए आवश्यक जानकारी मांगते हुए पहले नोटिस देना चाहिए और शुरुआत में ही उसके डेबिट एवं क्रेडिट कार्ड ब्लॉक' नहीं किए जाने चाहिए। बनर्जी द्वारा अपने आवास पर बैंक के एक अधिकारी को सभी दस्तावेज सौंपे जाने के बाद न्यायमूर्ति राव ने याचिका का निपटारा कर दिया। अदालत ने बैंक की इस दलील का संज्ञान लिया कि केवाईसी दस्तावेज जमा किए जाने के बाद बनर्जी का खाता तथा उनके डेबिट और क्रेडिट कार्ड फिर से सक्रिय कर दिए गए हैं। बहस के दौरान अदालत ने कहा कि यदि ग्राहक आवश्यक जानकारी देने से बचता है तो बैंक यह कह सकता है कि उसके पास 'कार्ड ब्लॉक' करने के अलावा कोई विकल्प नहीं है। बैंक की वकील ने कहा कि केवाईसी दस्तावेज मांगने के लिए ग्राहकों को ऐसे नोटिस दिए जाते हैं।

उन्होंने कहा कि तीसरे पक्ष से प्राप्त आंकड़ों के आधार पर बैंक की केंद्रीय टीम ने बनर्जी के खाते पर प्रतिबंध लगाया और ग्राहक को इस संबंध में ईमेल भेजा गया। वकील ने कहा कि अधिक जोखिम वाली श्रेणी में आने के कारण खाता 'स्वत: ब्लॉक' हो गया था। बैंक की वकील ने 20 अगस्त को हुई सुनवाई के दौरान कहा था कि बनर्जी का नाम, स्थायी खाता संख्या (पैन) और मोबाइल नंबर प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा शुरू किए गए मामलों से जुड़े हैं।

चेन्नई | मंगलवार | 25-08-2026 www.dakshinbharat.com /dakshinbharat /dakshinbharat DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT HINDI DAILY

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

सुविचार

हार कभी अंतिम नहीं होती। यह सफलता की तैयारी है। गलतियों को सुधारें, फिर प्रयास करें, जीत आपका इंतजार करेगी।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

संयम और सूझबूझ से नियंत्रित करें कीमतें

सदेश के कई इलाकों में चीनी की कीमत बढ़ने के बाद कुछ यूट्यूबर और कथित बुद्धिजीवी जनता को भड़काने का काम कर रहे हैं। बेशक चीनी की कीमत कम होनी चाहिए। कई त्योहार आने वाले हैं, इसलिए चीनी की उपलब्धता हर इलाके में सुनिश्चित की जानी चाहिए। केंद्र सरकार इसके लिए जरूरी कदम उठा रही है। नागरिकों का भी कर्तव्य है कि वे अफवाहों पर विश्वास न करें। कुछ सोशल मीडिया चैनल हर मुद्दे को 'तिल का ताड़' बनाकर पेश करते हैं। उनकी बातों पर विश्वास कर मार्च–अप्रैल में कई लोगों ने गैस एजेंसियों के सामने भारी हुड़दंग मचाया था। उन चैनलों ने पश्चिम एशिया के हालात को इस तरह दिखाया था, जैसे एलपीजी सिलेंडरों की आपूर्ति समाप्त हो जाएगी, दुनिया हजारों साल पुराने युग में चली जाएगी और लोगों को पत्थरों से आग जलानी पड़ेगी! उस दौरान बड़ी संख्या में लोग यह कहते हुए सिलेंडर लेने चले गए थे कि 'आज ही खाली हुआ है!' क्या ऐसा संभव है कि एक दिन पहले सभी घरों में रसोई गैस की सामान्य खपत हो और अगले ही दिन सबके सिलेंडर खाली हो जाएं? दरअसल, कुछ सिलेंडर खाली हुए थे, लेकिन बहुत लोग घबराहट में बुकिंग कर रहे थे। इसलिए कई ग्राहकों को खाली हाथ लौटना पड़ा था। इससे देशभर में यह संदेश गया कि सच में ही एलपीजी सिलेंडरों की किल्लत हो गई है। उस समय प्रशासन ने छापे मारकर ऐसे लोगों को बेनकाब किया था, जो अपने घरों में आधा दर्जन से लेकर दो–तीन दर्जन तक सिलेंडर दबाए बैठे थे। ऐसी मानसिकता के लोग दोबारा सक्रिय हो गए हैं। वे चाहते हैं कि जनता में घबराहट फैले, वह ज्यादा कीमत पर चीनी खरीदे। जबकि वे ठहाके लगाएं और खूब मुनाफा कमाएं।

जब लोगों के पास सोशल मीडिया के जरिए ऐसी पोस्ट पहुंचती हैं– 'चीनी की कीमतों में लगी आग', 'चीनी के लिए मचा हाहाकार', 'कड़वी हो गई चीनी की मिठास', तो उनके मन में यह ख़याल आना स्वाभाविक है कि 'हम अभी बाजार जाएं और अपने लिए चीनी खरीद लाएं।' वे अपनी जरूरत से ज्यादा चीनी ले आते हैं। इससे दूसरों को पर्याप्त चीनी नहीं मिलती है। कुछ साल पहले सोशल मीडिया पर अफवाह फैली थी कि देश में नमक की भारी किल्लत हो गई है। उस समय कई लोगों ने दस–दस किलो नमक खरीद लिया था। कुछ तो इतने 'होशियार' निकले कि वे ऊंचे दामों पर बोरी भरकर नमक ले आए थे। जब हकीकत सामने आई तो माथा पकड़ लिया! जिम्मेदार और अनुशासित नागरिक ऐसे समय में अपनी जरूरत से ज्यादा चीज नहीं खरीदते हैं। इससे कीमतें सामान्य स्तर पर बनी रहती हैं। हर साल सब्जी मंडी में कुछ अवधि के लिए एक–दो चीजों की कीमतों में काफी बढ़ोतरी हो जाती है। जब प्याज बहुत महंगा हो जाता है तो हर कोई प्याज ही खरीदना चाहता है। जब टमाटर बहुत महंगा हो जाता है तो हर कोई टमाटर खरीदने के लिए लाइन में लग जाता है। इससे कीमतों में बढ़ोतरी जारी रहती है। अगर लोग थोड़ी–सी सूझबूझ दिखाएं और सिर्फ एक हफ्ते तक धैर्य रखें तो कीमतें सामान्य स्तर पर आ सकती हैं। बाजार में नई आवक होने पर कीमतें वैसे ही नीचे आ जाती हैं। जब चीजें काफी सस्ती होती हैं तो उन्हें खरीदार नहीं मिलते हैं। अक्टूबर 2015 में दालों की कीमतों में बढ़ोतरी हो गई थी। कई दुकानों पर दाल खरीदने के लिए भीड़ लग गई थी। विभिन्न 'बुद्धिजीवियों' ने सोशल मीडिया पर यह कहते हुए केंद्र सरकार को कोसना शुरू कर दिया था कि 'दाल का अकाल' पड़ गया है। उसके बाद, जैसे ही नई आवक हुई, भीड़ छंट गई। अगर अभी लोग चीनी का सामान्य मात्रा में उपयोग करें, जरूरत से ज्यादा खरीदारी न करें तो कुछ ही दिनों में कीमत पुराने स्तर पर लौट सकती है।

ट्वीटर टॉक

अरुण जेटली की पुण्यतिथि पर उन्हें विनम्र श्रद्धांजलि। संविधान और कानून जैसे विषयों में माहिर अरुण जी एक कुशल एडमिनिस्ट्रेटर और बेहतरीन सांसद थे। राजनीति और पॉलिसी मामलों पर उनकी गहरी समझ, दूर की सोच और लॉजिकल नज़रिया हमेशा प्रेरणा देता रहेगा।

–राजनाथ सिंह

फसल बीमा योजना का यह आंकड़ा चौंकाने वाला है। पिछले दो सालों में, देश भर में 7.3 मिलियन किसानों ने फसल बीमा छोड़ दिया हैं। किसानों की सबसे बड़ी शिकायत यह है कि नुकसान होने पर प्रीमियम देने के बावजूद उन्हें क्लेम नहीं मिलता हैं।

–अशोक गहलोत

पवित्र श्रावण मास के चौथे सोमवार के अवसर पर आज मुख्यमंत्री निवास स्थित माँ राजराजेश्वरी मंदिर में देवों के देव महादेव का आशीर्वाद लेने के लिए पूरी गंभीरता से पूजा–अर्चना और अनुष्ठान किए गए। राज्य के सभी लोगों के जीवन में सुख, शांति, समृद्धि और अच्छा स्वास्थ्य बना रहे

–भजनलाल शर्मा

प्रेरक प्रसंग

अहंकार से हार

एक बार शकुनि ने भीष्म पितामह से पूछा, 'आप जानते थे कि दुर्योधन अधर्म के मार्ग पर है, फिर भी आपने उसे रोक क्यों नहीं लिया?' भीष्म ने शांत स्वर में कहा, 'मैंने उसे रोकने की बहुत कोशिश की थी।' शकुनि हंसकर बोला, 'यदि कोशिश सफल नहीं हुई, तो फिर वह कैसी कोशिश?' भीष्म बोले, 'किसी को सही रास्ता दिखाना आसान है, लेकिन उसे उस रास्ते पर चलाना असंभव है।' शकुनि ने पूछा, 'तो क्या ज्ञान भी व्यर्थ है?' भीष्म ने कहा, 'नहीं। ज्ञान कभी व्यर्थ नहीं होता। व्यर्थ तो वह मन होता है, जो अपने अहंकार को ज्ञान से बड़ा मान लेता है। रावण के पास भी ज्ञान था और दुर्योधन के पास भी अनेक लोगों की सलाह थी, लेकिन दोनों में सुनने और सही बात स्वीकार करने का धैर्य नहीं था।' फिर भीष्म ने कहा, 'विनाश तब शुरू नहीं होता, जब इंसान गलत रास्ते पर चलता है; विनाश तब शुरू होता है, जब वह अपनी गलती स्वीकार करना और सही सलाह सुनना बंद कर देता है।' महाभारत की सबसे बड़ी हार युद्धभूमि में नहीं हुई थी। वह तो उसी दिन हो गई थी, जब दुर्योधन ने विदुर जैसे हितैषियों की बात सुनना छोड़ दिया था।

सामयिक

दिशाहीन आरक्षण के खिलाफ आवाज पर सियासी खामोशी

संजय सक्सेना

मोबाइल : 9454105568

दिल्ली के जंतर–मंतर से लेकर उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ तक, आज देश की सड़कों पर एक नई और गंभीर सुगबुगाहट साफ सुनाई दे रही है। यह वह आवाज़ है जो सामान्य श्रेणी के उन छात्रों और युवाओं की है, जिन्हें लगता है कि व्यवस्था के पैमाने पर उनकी योग्यता और उनके अधिकारों की अनदेखी की जा रही है। लेकिन इस आंदोलन का सबसे विडंबनापूर्ण पहलू यह है कि सत्ता और विपक्ष के बड़े सियासी गलियारों में इन युवाओं की आवाज़ सुनने के बजाय इन्हें या तो नजरअंदाज किया जा रहा है या फिर अपने राजनीतिक नफा–नुकसान के चश्मे से देखा जा रहा है। कांग्रेस, समाजवादी पार्टी और अन्य दल इस पर खुलकर बात करने से कतराते हैं, क्योंकि उन्हें डर है कि उनका पारंपरिक वोट बैंक खिसक न जाए। जब भी आरक्षण जैसे संवेदनशील मुद्दे पर चर्चा होती है, राजनीतिक दलों की प्राथमिकता जनहित या सामाजिक न्याय के समग्र संतुलन से ज्यादा चुनावी समीकरणों को साधना बन जाती है। आज़ादी के बाद से ही आरक्षण को राजनीतिक दलों ने एक अचूक चुनावी हथियार के रूप में इस्तेमाल किया है।अधिकांश सियासी दल यह मानते हैं कि किसी एक वर्ग विशेष के पक्ष में खुलकर बोलने से उनका बड़ा सामाजिक आधार प्रभावित हो सकता है। इसीलिये युवाओं की वास्तविक और तार्किक चिंताओं को सुनने के बजाय उन्हें राजनीतिक दलों द्वारा केवल विरोधियों पर हमला करने का माध्यम बना लिया जाता है। जब युवा जंतर–मंतर पर सुधार की मांग करते हैं, तो नेताओं द्वारा उनकी उपेक्षा करना यह दिखाता है कि व्यवस्था बदलाव के उस दौर से डरती है जो पारंपरिक समीकरणों को हिला सकता है। जबकि यह वह सुलगती हुई आग है, जिसमें इतिहास गवाह है कि जिसने भी अपनी रोटियां सेंकने की कोशिश की, उसके हाथ अंततः जले ही हैं।

इस सामाजिक असंतोष को नजरअंदाज करना किसी भी स्वस्थ लोकतंत्र के लिए हितकर नहीं हो सकता।

गौरतलब है, देश को आजादी मिलने के बाद जब संविधान का निर्माण हो रहा था और आरक्षण व्यवस्था की नींव रखी जा रही थी, तब देश के मनीषियों और हमारे संविधान निर्माताओं के मन में एक स्पष्ट और पवित्र उद्देश्य था। बाबासाहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर और अन्य निर्माताओं ने इस बात पर जोर दिया था कि सदियों से सामाजिक, शैक्षणिक और आर्थिक रूप से वंचित रहे वर्गों को मुख्यधारा में लाने के लिए उनको आरक्षण की आवश्यकता है। संविधान सभा की बहसों के दौरान यह स्पष्ट किया गया था कि यह व्यवस्था देश के वंचित और शोषित तबके को बराबरी का हक दिलाने के लिए एक सीढ़ी का काम करेगी। इसे देश में सामाजिक समरसता और भाईचारा मजबूत करने का जरिया माना गया था, न कि हमेशा के लिए स्थायी और वंशानुगत विशेषाधिकार और यह उम्मीद की गई थी कि जैसे–जैसे समाज आगे बढ़ेगा, आर्थिक और सामाजिक असमानता कम होगी और राष्ट्र अधिक समावेशी बनेगा, तब आरक्षण की जरूरत नहीं बचेगी, लेकिन समय के साथ, इस महान परिकल्पना का धरातल पर रूप बदल गया। आज की कड़वी सच्चाई यह है कि आरक्षण का एक बड़ा हिस्सा उस वर्ग तक आसानी से पहुंच रहा है जो पहले से ही सामाजिक और आर्थिक रूप से सक्षम हो चुका है, जबकि उसी वंचित समाज के सबसे निचले पायदान पर खड़े असल जरूरतमंद व्यक्ति तक आज भी मूलभूत सुविधाएं नहीं पहुंच पा रही हैं।

> **यही बात जंतर-मंतर और लखनऊ की सड़कों पर संघर्ष कर रहे सामान्य वर्ग के छात्र और युवा बार-बार स्पष्ट कर रहे हैं कि वे आरक्षण व्यवस्था को पूरी तरह खत्म करने की मांग नहीं कर रहे हैं, बल्कि वे इसमें पारदर्शी और तार्किक सुधार चाहते हैं। इन आंदोलनरत छात्रों और युवाओं की कुछ अपनी मुख्य चिंताएं और सवाल हैं। सरकार द्वारा सवर्ण जातियों के आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के लिए जो दस प्रतिशत आरक्षण का प्रावधान किया गया है, उसे युवा ऊंट के मुंह में जीरा बताते हैं। उनकी मांग है कि आर्थिक मानदंड ही हर वर्ग के लिए न्याय का मुख्य आधार होना चाहिए।**

यही बात जंतर–मंतर और लखनऊ की सड़कों पर संघर्ष कर रहे सामान्य वर्ग के छात्र और युवा बार–बार स्पष्ट कर रहे हैं कि वे आरक्षण व्यवस्था को पूरी तरह खत्म करने की मांग नहीं कर रहे हैं, बल्कि वे इसमें पारदर्शी और तार्किक सुधार चाहते हैं। इन आंदोलनरत छात्रों और युवाओं की कुछ अपनी मुख्य चिंताएं और सवाल हैं। सरकार द्वारा सवर्ण जातियों के आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के लिए जो दस प्रतिशत आरक्षण का प्रावधान किया गया है, उसे युवा ऊंट के मुंह में जीरा बताते हैं। उनकी मांग है कि आर्थिक मानदंड ही हर वर्ग के लिए न्याय का मुख्य आधार होना चाहिए। एक तरफ सामान्य श्रेणी का एक गरीब रिक्शा चालक या मजदूर का बेटा अपनी प्रतिभा के दम पर भी संघर्ष करने को मजबूर है, वहीं दूसरी तरफ दलित या पिछड़े वर्ग के संपन्न परिवारों जैसे बड़े–बड़े सरकारी अधिकारी, राजनेता, डॉक्टर और इंजीनियर के बच्चे पीढ़ी–दर–पीढ़ी आरक्षण का पूरा लाभ उठा रहे हैं। युवाओं का यह सवाल पूरी तरह तार्किक है कि यदि किसी जरूरतमंद की मदद के नाम पर बनाई गई व्यवस्था का लाभ केवल संपन्न घराने उठाने लगें, तो सामान्य वर्ग के गरीब युवाओं के मौलिक अधिकारों की अनदेखी क्यों की जा रही है? लेकिन जातिवाद की राजनीति करने वाले कुछ दल और नेताओं के लिये यह सब मायने नहीं रखता है। सामान्य वर्ग के आरक्षण के खिलाफ आंदोलन के आग में मोदी और बीजेपी की राज्य सरकारों के हाथ' भी झुलसते दिख रहे हैं, लेकिन इस आंदोलन को भड़काने का आरोप भी इसी दल पर लग रहा है। इसी से बीजेपी के नेता बेचैन हैं। वह 2021 के बिहार विधान सभा चुनाव में आरक्षण को लेकर विपक्ष द्वारा फैलाये गये नैरेटिव का नुकसान देख चुके हैं।

कुल मिलाकर आज देश के बड़े नेताओं, जैसे राहुल गांधी, अखिलेश यादव और सत्ता पक्ष के दिग्गजों को यह समझने की जरूरत है कि सामाजिक न्याय की परिभाषा केवल जातियों के आंकड़ों और चुनावी मंचों तक सीमित नहीं रह सकती है। यह नेता अपने संकीर्ण राजनीतिक चश्मे को उतारकर बड़ा दिल दिखाएं और यह स्वीकार करें कि मौजूदा आरक्षण व्यवस्था में सुधार की सख्त आवश्यकता है।

इस बात की गंभीरता से समीक्षा होनी चाहिए कि आरक्षण का लाभ वाकई अंतिम व्यक्ति तक पहुंच रहा है या नहीं। इसके साथ–साथ क्रीमी लेयर के नियमों को भी और अधिक सख्त और पारदर्शी बनाया जाना चाहिए ताकि हर वर्ग के केवल वास्तव में जरूरतमंद और गरीब युवाओं को ही इसका संबल मिल सके। यदि समय रहते इस दिशा में ईमानदारी से विचार नहीं किया गया, तो यह असंतोष और अधिक गहरा सकता है। किसी भी राष्ट्र की सच्ची प्रगति तभी संभव है जब उसका हर एक युवा यह महसूस करे कि उसके साथ न्याय हो रहा है और उसकी मेहनत का पूरा सम्मान सुरक्षित है।

नजरिया

अंतरिक्ष में भारत की निजी शक्ति एवं वैज्ञानिक सामर्थ्य की उड़ान

ललित गर्ग

मोबाइल : 9811051133.

भारत की अंतरिक्ष यात्रा अब केवल सरकारी संस्थानों और वैज्ञानिक प्रयोगशालाओं तक सीमित नहीं रह गई है। यह यात्रा आज नवाचार, उद्यमिता, युवा प्रतिभा, निजी पूंजी और वैश्विक महत्वाकांक्षा के ऐसे संगम में बदल रही है, जिसने भारत को अंतरिक्ष महाशक्ति बनने की दिशा में एक नई गति प्रदान की है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में अंतरिक्ष क्षेत्र में निजी सहभागिता के द्वार खोलने का निर्णय इसी परिवर्तन का निर्णायक पड़ाव है। कभी जिस अंतरिक्ष क्षेत्र को लगभग पूरी तरह सरकारी नियंत्रण और संस्थागत सीमाओं के भीतर देखा जाता था, आज वहां सैकड़ों नवोदित उद्यम अपने सपनों, तकनीक और साहस के साथ नई संभावनाओं का आकाश तलाश रहे हैं। प्रधानमंत्री द्वारा भारतीय निजी अंतरिक्ष उद्यमियों से संवाद कर उन्हें प्रेरित करना केवल एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि भविष्य के भारत की दिशा का उद्घोष है। इसमें उन्होंने जिस आत्मविश्वास के साथ भारत को विश्व की अंतरिक्ष प्रतिभा, निवेश और उद्यमिता का आकर्षण–केंद्र बनाने का सपना प्रस्तुत किया, वह भारत की बदलती वैश्विक भूमिका का भी संकेत है। भारत की अंतरिक्ष उपलब्धियों का इतिहास अपने आप में असाधारण है। सीमित संसाधनों के बीच भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन ने जिस वैज्ञानिक अनुशासन, आत्मनिर्भरता और संकल्प का परिचय दिया, उसने दुनिया को चकित किया है। आर्यभट्ट से प्रारंभ हुई यात्रा मंगलयान तक पहुंची, चंद्रयान ने चंद्रमा के रहस्यों को समझने की भारतीय क्षमता सिद्ध की और चंद्रयान–3 ने भारत को चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुवीय क्षेत्र में सफलतापूर्वक उतरने वाला पहला देश बनाकर इतिहास रचा। यह उपलब्धि केवल एक वैज्ञानिक सफलता नहीं थी, यह भारतीय प्रतिभा, तकनीकी आत्मविश्वास और असंभव को संभव करने की राष्ट्रीय क्षमता का प्रमाण थी। मंगलयान ने कम लागत में अंतरग्रहीय अभियान की सफलता से दुनिया को भारत की वैज्ञानिक दक्षता का परिचय दिया। आदित्य–एल1 ने सूर्य के अध्ययन की दिशा में भारत की महत्वाकांक्षा को नई ऊंचाई दी। अंतरिक्ष में मानव उपस्थिति की तैयारी से जुड़ा गगनयान अभियान भारत की अगली बड़ी छलांग का संकेत है। इस पूरी यात्रा ने यह स्पष्ट किया है कि भारत अब अंतरिक्ष विज्ञान में केवल उपलब्धियों का अनुकरण करने वाला देश नहीं, बल्कि नए मानदंड स्थापित करने की क्षमता रखने वाला राष्ट्र है।

> **भारत ने धरती से चंद्रमा तक अपनी क्षमता सिद्ध कर दी है, अब चुनौती है कि वह अंतरिक्ष में अपनी वैज्ञानिक शक्ति के साथ-साथ आर्थिक, तकनीकी और मानवीय नेतृत्व की भी ऐसी छाप छोड़े, जिसे दुनिया लंबे समय तक याद रखे।**

इस उपलब्धि की अगली स्वाभाविक कड़ी निजी क्षेत्र की भागीदारी है। अंतरिक्ष क्षेत्र में सुधारों के बाद भारत में लगभग 440 अंतरिक्ष–प्रौद्योगिकी नवोदित उद्यमों का उभरना इस परिवर्तन की गहराई को दर्शाता है। इनमें कुछ उपग्रह निर्माण में लगे हैं, कुछ प्रक्षेपण यानों की तकनीक विकसित कर रहे हैं, कुछ अंतरिक्ष आधारित आंकड़ों के विश्लेषण, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, पृथ्वी अवलोकन, संचार, मौसम पूर्वानुमान और अंतरिक्ष मलबे के प्रबंधन जैसी अत्याधुनिक दिशाओं में काम कर रहे हैं। स्काईरूट एयरोस्पेस ने निजी क्षेत्र के रॉकेट प्रक्षेपण की दिशा में ऐतिहासिक कदम उठाया है, जबकि अग्निकुल कॉसमॉस ने स्वदेशी तकनीक और आधुनिक निर्माण पद्धतियों के माध्यम से यह दिखाया है कि भारतीय निजी उद्यम अंतरिक्ष प्रक्षेपण के कठिन क्षेत्र में भी अपनी जगह बना सकते हैं। ये प्रयास उस मानसिकता को बदल रहे हैं जिसमें अंतरिक्ष केवल वैज्ञानिक प्रतिष्ठानों का क्षेत्र माना जाता था। अब यह युवा उद्यमियों के लिए रोजगार, अनुसंधान, निवेश और वैश्विक व्यापार का नया क्षेत्र बन रहा है। इस परिवर्तन का सबसे महत्वपूर्ण पहलू यह है कि अंतरिक्ष अब केवल आकाश में उपलब्धियों का विषय नहीं, बल्कि धरती पर जीवन को बेहतर बनाने का साधन भी बन रहा है। उपग्रह आधारित सेवाएं कृषि की उत्पादकता बढ़ाने, फसल की निगरानी करने, जल संसाधनों की पहचान, मौसम की सटीक जानकारी देने, मछली पालन, वन संरक्षण और आपदा प्रबंधन में उपयोगी हो सकती हैं। बाढ़, चक्रवात, सूखा और भूस्खलन जैसी प्राकृतिक आपदाओं के समय अंतरिक्ष से प्राप्त सूचनाएं राहत और बचाव कार्यों को अधिक प्रभावी बना सकती हैं। गांवों और दूरदराज के क्षेत्रों में संचार तथा डिजिटल सेवाओं के विस्तार में भी अंतरिक्ष तकनीक महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है। इसलिए भारत का अंतरिक्ष कार्यक्रम अब केवल वैज्ञानिक गौरव का विषय नहीं, बल्कि सामाजिक परिवर्तन और आर्थिक विकास का शक्तिशाली माध्यम बन रहा है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का अंतरिक्ष संबंधी दृष्टिकोण इसी व्यापक सोच पर आधारित दिखाई देता है। उनका सपना भारत को केवल अंतरिक्ष में पहुंचने वाला देश बनाना नहीं, बल्कि अंतरिक्ष अर्थव्यवस्था में अग्रणी शक्ति बनाना है। वे चाहते हैं कि दुनिया की प्रतिभाएं भारत आएं, भारतीय युवा अंतरिक्ष क्षेत्र में नए विचारों के साथ आगे बढ़ें और भारत वैश्विक अंतरिक्ष कंपनियों तथा निवेशकों के लिए विश्वसनीय केंद्र बने। यह दृष्टिकोण भारत की आर्थिक शक्ति को नई दिशा दे सकता है। अंतरिक्ष अर्थव्यवस्था आने वाले वर्षों में संचार, मौसम, रक्षा, कृषि, परिवहन, ऊर्जा, आपदा प्रबंधन और डिजिटल सेवाओं के साथ गहराई से जुड़ने वाली है। ऐसे में जो देश इस क्षेत्र में तकनीकी नेतृत्व स्थापित करेगा, उसकी आर्थिक और रणनीतिक शक्ति भी बढ़ेगी। निजी अंतरिक्ष उद्यमों के सामने संभावनाएं जितनी बड़ी हैं, चुनौतियां भी उतनी ही गंभीर हैं। अंतरिक्ष तकनीक में अनुसंधान और विकास के लिए भारी पूंजी चाहिए। प्रक्षेपण की असफलता का जोखिम सामान्य उद्योगों की तुलना में कहीं अधिक होता है। अत्यंत जटिल तकनीक, कठोर सुरक्षा मानक, कुशल मानव संसाधन और दीर्घकालिक निवेश की आवश्यकता इस क्षेत्र को कठिन बनाती है। इसलिए सरकार की भूमिका केवल नियम बनाने तक सीमित नहीं रह सकती। उसे ऐसी नीतियां बनानी होंगी जो नवाचार को प्रोत्साहित करें, निजी उद्यमों को परीक्षण सुविधाएं उपलब्ध कराएं, अनुसंधान संस्थानों और उद्योगों के बीच सहयोग बढ़ाएं तथा निवेशकों का विश्वास कायम रखें। अंतरिक्ष क्षेत्र की एकल खिड़की व्यवस्था और भारतीय राष्ट्रीय अंतरिक्ष संवर्धन एवं प्राधिकरण केंद्र जैसी संस्थागत व्यवस्थाएं इस दिशा में महत्वपूर्ण आधार तैयार कर रही हैं।

भारत के लिए एक और बड़ी संभावना अंतरिक्ष में लागत और दक्षता की अपनी पारंपरिक ताकत को वैश्विक बाजार से जोड़ना है। भारत ने पहले ही यह सिद्ध किया है कि सीमित लागत में उच्च गुणवत्ता वाली अंतरिक्ष सेवाएं प्रदान की जा सकती हैं। यदि यही क्षमता निजी क्षेत्र की गति, नवाचार और जोखिम उठाने की प्रवृत्ति से जुड़ती है तो भारत छोटे उपग्रहों के प्रक्षेपण, उपग्रह निर्माण, अंतरिक्ष आधारित आंकड़ों और वैश्विक अंतरिक्ष सेवाओं के क्षेत्र में बड़ा बाजार हासिल कर सकता है। इससे विदेशी मुद्रा अर्जन के साथ–साथ उच्च कौशल वाले रोजगार के अवसर भी बढ़ेंगे। यहां भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन का अनुभव निजी क्षेत्र के लिए अमूल्य पूंजी है। दशकों की वैज्ञानिक साधना से अर्जित ज्ञान, प्रक्षेपण तकनीक, उपग्रह निर्माण की क्षमता और मिशन प्रबंधन का अनुभव अब देश के नवोदित उद्यमों के लिए मार्गदर्शक शक्ति बन सकता है। सरकारी संस्थान और निजी उद्यम यदि प्रतिस्पर्धा के साथ सहयोग की संस्कृति विकसित करें तो भारत की अंतरिक्ष शक्ति कई गुना बढ़ सकती है। सरकार का काम रास्ता खोलना है, वैज्ञानिक संस्थानों का काम ज्ञान और अनुभव उपलब्ध कराना है और निजी क्षेत्र का काम गति, नवाचार और बाजार की शक्ति को आगे बढ़ाना है। इन तीनों का समन्वय भारत को नई ऊंचाई दे सकता है।

प्रधानमंत्री मोदी का यह आह्वान कि भारत ऐसा वातावरण बनाए जहां दुनिया भर के युवा अंतरिक्ष क्षेत्र में अपना भविष्य बनाने के लिए यहां आने की सोचें, वास्तव में प्रतिभा की वैश्विक प्रतिस्पर्धा में भारत की नई आकांक्षा को व्यक्त करता है। यह केवल रॉकेटों की संख्या बढ़ाने का लक्ष्य नहीं है, यह भारत को अंतरिक्ष आधारित ज्ञान, तकनीक और अर्थव्यवस्था का केंद्र बनाने की कल्पना है। आने वाले समय में अंतरिक्ष में भारत की सफलता का मूल्यांकन केवल कितने उपग्रह भेजे गए या कितने रॉकेट छोड़े गए, इससे नहीं होगा। असली कसौटी यह होगी कि अंतरिक्ष तकनीक ने भारतीय किसान, विद्यार्थी, उद्यमी, सैनिक, वैज्ञानिक और सामान्य नागरिक के जीवन को कितना बेहतर बनाया। भारत की अंतरिक्ष यात्रा अब उस मुकाम पर है जहां आकाश सीमा नहीं, बल्कि अवसर है। चंद्रयान–3 की चंद्र विजय से लेकर सूर्य की ओर आदित्य–एल1 की यात्रा, मंगलयान की ऐतिहासिक सफलता से लेकर मानव को अंतरिक्ष में भेजने की तैयारी और सरकारी संस्थानों से निकलकर निजी स्टार्टअप के प्रक्षेपण तक भारत ने लंबी दूरी तय की है। अब अगला अध्याय और अधिक महत्वाकांक्षी होना चाहिए। आवश्यकता है कि वैज्ञानिक जिज्ञासा को उद्यमिता से, सरकारी नीति को निजी ऊर्जा से और भारतीय प्रतिभा को वैश्विक अवसरों से जोड़ा जाए। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का अंतरिक्ष विजन इसी समन्वय को दिशा देता है। भारत ने धरती से चंद्रमा तक अपनी क्षमता सिद्ध कर दी है, अब चुनौती है कि वह अंतरिक्ष में अपनी वैज्ञानिक शक्ति के साथ–साथ आर्थिक, तकनीकी और मानवीय नेतृत्व की भी ऐसी छाप छोड़े, जिसे दुनिया लंबे समय तक याद रखे। यही नई अंतरिक्ष उड़ान आत्मनिर्भर भारत को विकसित भारत की व्यापक आकांक्षा से जोड़ने वाली एक महत्वपूर्ण कड़ी बन सकती है।

महत्त्वपूर्ण

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006. Editor : Bhupendra Kumar (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar. Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.Regn No.RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।– दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बांग्लादेश में 2024 के जनविद्रोह मामले में तीन पत्रकारों को मुकदमे तक जेल में रखने का आदेश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

ढाका/एपी। बांग्लादेश की राजधानी ढाका में एक विशेष न्यायाधिकरण ने सोमवार को अधिकारियों को तीन पत्रकारों को 2024 में हुए उस जनविद्रोह से जुड़े मामले में मुकदमा चलने तक जेल में रखने का आदेश दिया, जिसके चलते तत्कालीन प्रधानमंत्री शेख हसीना को सत्ता से हटना पड़ा था। वकीलों ने यह जानकारी दी। छात्रों के नेतृत्व में हुए इस जनविद्रोह के दौरान सैकड़ों लोग मारे गए थे। बाद में हसीना को मानवता के खिलाफ अपराध के आरोपों में मौत की सजा सुनाई गई। वह दो साल पहले भारत चली गई थीं और उनकी गैरमौजूदगी में मुकदमा चलाया गया।

न्यायाधिकरण ने निजी टीवी चैनल 'एकात्तर टेलीविजन' के प्रधान संपादक मोजम्मेल बाबू, उसकी प्रधान संवाददाता फरजाना रूपा और दैनिक 'भोरेर कागोज' के संपादक एवं ढाका नेशनल प्रेस क्लब के पूर्व महासचिव श्यामल दत्ता को जेल में रखने का आदेश दिया। तीनों पत्रकार सोमवार को न्यायाधिकरण के समक्ष पेश हुए। न्यायाधीश ने अगली सुनवाई के लिए 25 अक्टूबर की तारीख तय की और जांचकर्ताओं को पत्रकारों के खिलाफ अपनी रिपोर्ट पेश करने का निर्देश दिया। वैश्विक मानवाधिकार संगठनों ने पत्रकारों को जेल में रखे जाने और उन्हें जमानत नहीं दिए जाने की आलोचना की है। उन्होंने सरकार से उनके खिलाफ आरोप वापस लेने और समाचार रिपोर्टिंग को अपराध की श्रेणी में डालने से रोकने का आग्रह किया है।

अभियोजन पक्ष का आरोप है कि जनविद्रोह के दौरान तीनों पत्रकारों ने छात्र प्रदर्शनकारियों के दमन के लिए उकसाया था। अभियोजन के अनुसार, 14 जुलाई, 2024 को एक संवाददाता सम्मेलन में पत्रकारों ने हसीना से उकसाने वाले सवाल पूछे थे, जिसके बाद उन्होंने प्रदर्शनकारियों के खिलाफ कथित रूप से अपमानजनक टिप्पणियां कीं और बाद में प्रदर्शनकारियों के खिलाफ खूनी कार्रवाई शुरू हुई, जिसमें सैकड़ों लोग मारे गए। हसीना के सत्ता से हटने के बाद से तीनों पत्रकार हिरासत में हैं। उन पर जुलाई-अगस्त 2024 के जनविद्रोह से जुड़े हत्या समेत विभिन्न आरोप हैं। उन्हें नोबेल शांति पुरस्कार विजेता मुहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाली अंतरिम सरकार के दौरान गिरफ्तार किया गया था। यूनुस ने फरवरी में सत्ता एक नई सरकार को सौंप दी थी।

पत्रकारों के परिवारों ने आरोप लगाया है कि उन्हें अवैध रूप से हिरासत में रखा गया। पत्रकारों की सुरक्षा के लिए काम करने वाली समिति (सीपीजे) के एशिया-प्रशांत कार्यक्रम समन्वयक कुणाल मजूमदार ने इस महीने की शुरुआत में एक बयान में कहा था कि केवल एक संवाददाता सम्मेलन में सवाल पूछने के लिए श्यामल दत्ता, मोजम्मेल बाबू और फरजाना रूपा के खिलाफ मानवता के खिलाफ अपराध का मामला चलाना आक्रोशजनक और ''बेहद चिंताजनक'' है। हसीना पांच अगस्त, 2024 से भारत में हैं, हालांकि उन्होंने हाल में कहा था कि वह दिसंबर में बांग्लादेश लौटेंगी।

विरोध

कोलकाता स्थित जादवपुर विश्वविद्यालय परिसर में छात्र लोकतंत्र की रक्षा, दोषियों को सजा देने, -इतझ की कथित गुंडागर्दी को समाप्त करने और तुरंत छात्र संघ चुनाव कराने की मांग को लेकर विरोध प्रदर्शन करते 'स्टूडेंट्स फेडरेशन ऑफ इंडिया' के सदस्य।

ब्रिटेन के प्रधानमंत्री बर्नहम कीव पहुंचे, जेलेंस्की के साथ बैठक करने की संभावना

कीव/एपी। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री एंडी बर्नहम सोमवार को कीव पहुंचे, जहां उनके यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की से मिलने और अन्य अंतरराष्ट्रीय नेताओं के साथ सहयोगी देशों के समूह की बैठक की सह-अध्यक्षता करने की संभावना है। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री का कार्यभार संभालने के बाद यह बर्नहम की पहली विदेश यात्रा है। वह यूक्रेन के स्वतंत्रता दिवस के मौके पर कीव आए हैं। उनके अलावा, यूरोपीय आयोग के अध्यक्ष एंटोनियो कॉस्टा, मोल्दोवा की राष्ट्रपति माया सैंडू, लक्जमबर्ग के प्रधानमंत्री ल्यूक फ्रिडेन और एस्टोनिया के राष्ट्रपति अलार कारिस भी कीव पहुंचे हैं। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कार्यालय की ओर से जारी बयान के मुताबिक, कीव में बर्नहम के यह घोषणा करने की उम्मीद है कि ब्रिटिश सरकार ने रक्षा कंपनी एमबीडीए को लंबी दूरी की स्कैल्प' मिसाइल में इस्तेमाल होने वाले ब्रिटिश कलपुर्जों से जुड़ी गोपनीय जानकारी साझा करने की मंजूरी देने का फैसला किया है।

बयान के अनुसार, इससे फ्रांस और यूक्रेन के लिए यूक्रेन में ही स्कैल्प' के उत्पादन की योजनाओं को आगे बढ़ाने का रास्ता साफ हो जाएगा।

'स्कैल्प' मिसाइल ब्रिटेन मिसाइल की स्टॉर्म शैडो' का फ्रांसीसी संस्करण है। दोनों ही मिसाइल के निर्माण में फ्रांस और ब्रिटेन की साझा प्रौद्योगिकी का इस्तेमाल किया गया है। बयान में कहा गया है कि बर्नहम के यूक्रेन के स्वतंत्रता दिवस समारोह में शामिल होने और सहयोगी देशों के समूह की बैठक के दौरान कीव को लगातार जारी अंतरराष्ट्रीय समर्थन पर चर्चा करने की भी संभावना है।

हम सिर्फ यही चाहते हैं कि इमरान को सर्वश्रेष्ठ चिकित्सा सुविधा मिले : कपिल

नई दिल्ली/भाषा। भारत के महान क्रिकेटर कपिल देव ने पाकिस्तान की जेल में बंद पूर्व प्रधानमंत्री और विश्व कप विजेता कप्तान इमरान खान के साथ सोमवार को मानवीय व्यवहार किए जाने की अपील की। इससे पहले रविवार को कपिल सहित 22 पूर्व अंतरराष्ट्रीय कप्तानों ने पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ को पिछले छह महीने में दूसरी बार पत्र लिख कर इमरान के उचित इलाज और स्वास्थ्य सुविधाओं का ध्यान रखने की अपील की थी। इस वर्ष फरवरी में सुनील गावस्कर समेत 14 पूर्व कप्तानों ने अदियाला जेल में इमरान के स्वास्थ्य को लेकर गहरी चिंता जताई थी। इमरान पर जेल में उचित चिकित्सा सुविधा नहीं मिलने और चिकित्सकीय लापरवाही के आरोप लगाए गए हैं। कपिल देव ने कहा कि उन्हें पाकिस्तान के कानून की जानकारी नहीं है, लेकिन वह अधिकारियों से इमरान के लिए एक कैदी के तौर पर भी बुनियादी सुविधाएं और मानवीय व्यवहार की अपील करते हैं।

पीजीटीआई के अध्यक्ष कपिल ने 'डीपी वर्ल्ड इंडिया चैंपियनशिप' के लॉन्च के मौके पर कहा, ''हम उस देश के कानून से परिचित नहीं हैं, यह अपनी जगह है। लेकिन हर कैदी के साथ विनम्रता और मानवीय व्यवहार होना चाहिए तथा उसे बुनियादी सुविधाएं मिलनी चाहिए, चाहे वह कोई भी हो। इमरान उस देश के पूर्व प्रधानमंत्री और दुनिया के शीर्ष क्रिकेटरों में से एक रहे हैं।''

उन्होंने कहा, ''हम चाहते हैं कि उन्हें सर्वश्रेष्ठ इलाज मिले। हम किसी और चीज की मांग नहीं कर रहे हैं और न ही किसी जवाब की अपेक्षा है। हम सिर्फ अनुरोध कर रहे हैं।'' पाकिस्तान के पूर्व तेज गेंदबाज वसीम अकरम और वकार यूनिस को छोड़ दें तो किसी अन्य बड़े पाकिस्तानी क्रिकेटर ने सार्वजनिक रूप से इमरान के समर्थन में सामने आकर उनके लिए बेहतर चिकित्सा सुविधा की मांग नहीं की है। इस बारे में पूछे जाने पर कपिल ने कहा कि वह पाकिस्तान के क्रिकेटरों को दोष नहीं देना चाहेंगे, क्योंकि वे अपने देश में रह रहे हैं। उन्होंने कहा, ''हम बाहर से चीजों को देख रहे हैं। मैं अपने उस दोस्त का समर्थन करना चाहता हूं, जिसके साथ हमने क्रिकेट खेला और जिसकी क्रिकेट प्रतिभा की हमेशा प्रशंसा की।'' इमरान के समर्थन में लिखे गए पत्र पर हस्ताक्षर करने वालों में ग्रेग चैपल, इयान चैपल, एलन बॉर्डर, सुनील गावस्कर, डेविड गॉवर, क्लाइव लॉयड, अर्जुन रणतुंगा, स्टीव वॉ और जॉन राइट समेत कई दिग्गज शामिल हैं।

सनी देओल ने 'जीत' के 30 साल पूरे होने का जश्न मनाया

नई दिल्ली/भाषा। अभिनेता सनी देओल ने अपनी फिल्म ''जीत'' के तीस साल पूरे होने के मौके पर एक क्लिप साझा किया और दर्शकों को धन्यवाद दिया। फिल्म का निर्देशन राज कंवर ने किया था और इसमें अभिनेता ने करण की भूमिका निभाई थी, जो एक निडर और गंभीर स्वभाव वाला अपराधी है तथा एक शक्तिशाली डॉन (अमरीश पुरी) के लिए काम करता है।

अभिनेता ने कहा कि यह किरदार उनके दिल के बेहद करीब है। देओल ने रविवार को अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर फिल्म की झलकियों वाला एक वीडियो साझा किया। उन्होंने पोस्ट के कैप्शन में लिखा, जीत के 30 साल। करण, उसका प्यार, उसका गुस्सा, उसका बलिदान...एक ऐसा किरदार जो आज भी मेरे दिल में बसता है। इस फिल्म को 30 साल से दिए जा रहे आपके प्यार के लिए धन्यवाद।

'बबीता सिंह रिपोर्टिंग' का ट्रेलर रिलीज

मुंबई/एजेन्सी

प्राइम वीडियो ने अपनी आगामी प्राइम ओरिजिनल फिल्म 'बबीता सिंह रिपोर्टिंग' के वर्ल्डवाइड प्रीमियर की तारीख का ऐलान कर दिया है। अंबीएका पंडित के निर्देशन और अमिता व्यास के लेखन में बनी यह इन्वेस्टिगेटिव ड्रामा फिल्म 28 अगस्त 2026 को रिलीज होगी।फिल्म स्क्वाड प्रोडक्शंस ने एक्ट थ्री के साथ मिलकर इसका निर्माण किया है। सौरभ मल्होत्रा, मनुज मित्तरा और टीना थरवानी इसके निर्माता हैं, जबकि सुदीप शर्मा कार्यकारी निर्माता हैं। फिल्म में निमिषा सयाजन, बरुण सोबती और अंशुमान पुष्कर प्रमुख भूमिकाओं में नजर आएंगे।

भारतीय शहर की पृष्ठभूमि पर बनी फिल्म की कहानी निलंबित पुलिस अधिकारी बबीता की है, जिन्हें प्यार से बेबी कहा जाता है। बचपन के एक दोस्त की हत्या के बाद उनकी जिंदगी पूरी तरह बदल जाती है।

वह इस हत्या की सच्चाई सामने लाने के लिए जांच शुरू करती हैं और इसी सफर में उन्हें अपने अतीत, रिश्तों और खुद की पहचान से जुड़े कई सवालों का सामना करना पड़ता है। अपराध की जांच के साथ फिल्म एक ऐसी महिला की भावनात्मक यात्रा को भी सामने लाती है, जिसने हमेशा दूसरों की जरूरतों को खुद से ऊपर रखा।

प्राइम वीडियो इंडिया के ओरिजिनल्स के निदेशक एवं प्रमुख निखिल माधोक ने कहा कि यह फिल्म सच्चाई की तलाश और अपनी आवाज दोबारा हासिल करने वाली एक महिला की मानवीय कहानी है। कार्यकारी निर्माता सुदीप शर्मा के मुताबिक, अपराध फिल्म की पृष्ठभूमि है, लेकिन असली कहानी बबीता के निजी सफर की है। 'बबीता सिंह रिपोर्टिंग' 28 अगस्त को प्राइम वीडियो पर रिलीज होगी।

कुछ यादें कभी साथ नहीं छोड़तीं : संदीपा धर

मुंबई/एजेन्सी

मुंबई कुछ यादें ऐसी होती हैं जिन्हें हम ढूंढने नहीं जाते, बल्कि वे सही समय आने पर खुद हमारे सामने आ जाती हैं। अभिनेत्री संदीपा धर के लिए कश्मीर की हालिया यात्रा कुछ ऐसी ही भावनाओं से भरी रही, जहां उन्हें अपने परिवार के इतिहास, भूली-बिसरी यादों और वादी की अनमोल खूबसूरती से फिर से जुड़ने का मौका मिला।सोशल मीडिया पर अपनी इस यात्रा की झलकियां साझा करते हुए संदीपा ने लिखा है, कुछ यादें ऐसी होती हैं जिन्हें आप खोजने नहीं जाते, वे बस आपका इंतज़ार करती रहती हैं। हाल ही में संदीपा अपने कश्मीर स्थित पुश्तैनी घर पहुंचीं, जो पलायन के बाद से लगभग उसी अवस्था में खड़ा है। न बिजली, न पानी और न ही घर के भीतर बहुत कुछ बचा है, लेकिन इसकी दीवारें आज भी बीते दशकों की कहानियों की गवाह हैं। इस दौरान उन्हें एक बेहद खूबसूरती से नक्काशीदार लकड़ी की अलमारी मिली, जो लगभग 80 से 90 साल पुरानी बताई जा रही है और आज भी लगभग सुरक्षित है। इस खोज को याद करते हुए उन्होंने लिखा, ऐसा लगा जैसे हमारे अतीत का एक छोटा-सा हिस्सा अब भी हमारा इंतज़ार कर रहा है। यह पल उनके लिए उन यादों और कहानियों का प्रतीक बन गया जो समय के साथ भी कहीं खोई नहीं है।

फिलहाल अपनी कश्मीर यात्रा के दौरान उन्हें कुछ और अनमोल निशानियां भी मिलीं, जिसमें एक पुराने कपबोर्ड में उन्हें 30 से 40 साल पुराने एयर इंडिया के बोर्डिंग पास और बैगेज टैग भी मिले। संदीपा ने इन्हें कागज़ के छोटे-छोटे टुकड़े, जो उस समय शायद महत्वहीन थे, लेकिन किसी तरह हर मुश्किल के बावजूद सुरक्षित रह गए, बताया है। इसके अलावा उन्हें अपने चाचा के कुछ बेहतरीन सिलवाए हुए सूट भी मिले, जिनमें से कुछ यूनाइटेड किंगडम में तैयार किए गए थे। फिलहाल ये सभी चीजें परिवार के इतिहास की झलकियां अपने भीतर समेटे हुए थीं।यादों के इस सफर के साथ-साथ कश्मीर की खूबसूरती ने भी संदीपा का दिल जीत लिया। शालीमार बाग के खिले हुए फूल, रंग-बिरंगे गेंदे, नगीन झील की शांति और परी महल से दिखने वाले मनमोहक नज़ारे उनकी यात्रा के खास पड़ाव बने।

अपने पसंदीदा स्थानों में से एक नगीन झील के बारे में उन्होंने लिखा है, हर कोई डल झील की बात करता है, लेकिन नगीन झील हमेशा मेरे दिल के सबसे करीब रहेगी। शंकराचार्य मंदिर की उनकी यात्रा ने इस सफर में आध्यात्मिक शांति और आत्ममंथन का एहसास भी जोड़ा। अपनी तस्वीरों और शब्दों के जरिए संदीपा धर ने यह खूबसूरत संदेश दिया कि कुछ जगहें हमेशा घर जैसी लगती हैं और कुछ यादें कभी हमारा साथ नहीं छोड़तीं। वर्क फ्रंट की बात करें तो संदीपा धर जल्द ही नेटफ्लिक्स की आगामी सीरीज़ चुंबक में नजर आने वाली हैं। इस सीरीज़ में उनके साथ दिग्गज कलाकार नीना गुप्ता और सुमीत राघवन भी अहम भूमिकाओं में दिखाई देंगे। फिल्मों और ओटीटी की दुनिया में लगातार अपने विविध किरदारों से पहचान बना रहीं संदीपा के लिए चुंबक उनके सबसे बहुप्रतीक्षित प्रोजेक्ट्स में से एक है।

मैं खलनायक के किरदारों से बाहर निकलने की पूरी कोशिश करता हूं : बॉबी देओल

नई दिल्ली/भाषा। अभिनेता बॉबी देओल ने शनिवार को कहा कि उन्हें खलनायक की भूमिकाओं के लगातार प्रस्ताव मिल रहे हैं, लेकिन वह अलग-अलग तरह की परियोजनाओं में काम करके इस छवि से बाहर निकलने का लगातार प्रयास कर रहे हैं। बॉबी ने यहां जागरण फिल्म महोत्सव से इतर संवाददाताओं से कहा कि जब कोई अभिनेता किसी खास तरह के किरदार में सफल हो जाता है तो उसके बाद उसे उसी तरह की भूमिकाओं में बांध दिया जाना स्वाभाविक है। अभिनेता ने 'पीटीआई-भाषा' से कहा, अगर कोई अभिनेता किसी खास तरह की भूमिका में सफल हो जाता है, तो उसे उसी तरह की भूमिकाएं मिलती रहती हैं। फिल्म उद्योग में ऐसा ही होता है और मैं इससे बाहर निकलने के लिए बहुत कोशिश करता हूं। मैंने हाल ही में 'बंदर' नाम की फिल्म की है, जो काफी अलग थी।''

फिल्म 'बंदर' में बॉबी ने एक उम्रदराज अभिनेता की भूमिका निभाई है, जिस पर उसकी पूर्व प्रेमिका ने दुष्कर्म का आरोप लगाया है। फिल्म का निर्देशन अनुराग कश्यप ने किया है। यह फिल्म जून में सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी और समीक्षकों से इसे सकारात्मक प्रतिक्रियाएं मिली थीं। बॉबी की इस साल की दो अन्य परियोजनाओं में 'अल्फा' तथा 'जन नायकन' है। फिल्म जन नायकन में बॉबी ने तमिलनाडु के मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय के साथ काम किया है। इन दोनों फिल्मों में भी अभिनेता ने खलनायक की भूमिका निभाई है। अभिनेता ने कहा कि जब भी उन्हें खलनायक की भूमिका मिलती है, वह उस किरदार को अलग तरीके से निभाने की कोशिश करते हैं।

उन्होंने कहा, खलनायक की भूमिकाओं में भी अलग-अलग तरह के खलनायक होते हैं, जिनके अलग-अलग पहलू होते हैं। इसलिए मुझे उन्हें निभाने में मजा आता है। उन्होंने कहा, ''मैं कुछ वेब सीरीज भी करने जा रहा हूं, जो अलग तरह की होंगी।'' बॉबी की अगली परियोजना प्राइम वीडियो की सीरीज तीन कौवे है।

यह पूछे जाने पर कि एक अभिनेता के तौर पर ऐसी कौन सी विधा है, जिसे आजमाने में वह सहज महसूस नहीं करेंगे, बॉबी ने कहा कि वह ओवर-द-टॉप कॉमेडी और 'स्लैपस्टिक कॉमेडी' को ज्यादा नहीं समझते। 'स्लैपस्टिक कॉमेडी' यानी ऐसी हास्य शैली जिसमें शारीरिक हरकतों, गिरने-पड़ने, मारपीट या अतिरंजित मजाकिया स्थितियों से हंसाया जाता है।

'वाइब' में दिखा कुणाल खेमू का नया अंदाज

मुंबई/एजेन्सी

अभिनेता और फिल्मकार कुणाल खेमू की आगामी एक्शन-कॉमेडी फिल्म 'वाइब' का पहला लुक जारी कर दिया गया है। फिल्म को कुणाल खेमू ने न केवल लिखा और निर्देशित किया है, बल्कि इसमें वह मुख्य भूमिका में भी नजर आएंगे। फिल्म की कहानी हार्दिक (कुणाल खेमू) और बग्स (स्पर्श श्रीवास्तव) नाम के दो आम युवकों के इर्द-गिर्द घूमती है, जो अचानक देश को बचाने के एक अनोखे मिशन में फंस जाते हैं। फिल्म में कॉमेडी, रोमांच और एक्शन का भरपूर तड़का देखने को मिलेगा। कहानी में दोनों किरदार कई चुनौतियों और खतरों का सामना करते हुए अपने मिशन को पूरा करने की कोशिश करते हैं। निर्माताओं के अनुसार, फिल्म को मनोरंजन से भरपूर पारिवारिक एंटरटेनर के रूप में तैयार किया गया है।

फिल्म में प्रीति जिंटा एक अहम भूमिका निभा रही हैं, जो दोनों युवकों को इस मिशन का हिस्सा बनाती हैं।

इसके अलावा दिनेश लाल यादव, यशपाल शर्मा और नवोदित अभिनेत्री वंशीका धीर भी महत्वपूर्ण किरदारों में नजर आएंगे। कुणाल खेमू ने चिराग निहलानी के साथ मिलकर फिल्म का निर्माण भी किया है। 'वाइब' 18 सितंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी और दर्शकों को दोस्ती, हास्य और एक्शन का अनोखा मिश्रण देखने को मिलेगा।

'गांधारी' में तापसी पन्नू का दिखेगा दमदार अवतार

मुंबई/एजेन्सी

अभिनेत्री तापसी पन्नू अब अपनी बहुप्रतीक्षित फिल्म 'गांधारी' के साथ दर्शकों के बीच लौटने के लिए तैयार हैं। हाई-वोल्टेज एक्शन, क्राइम और बदले की कहानी पर आधारित इस थ्रिलर फिल्म का निर्देशन देवाशीष मखीजा ने किया है, जबकि इसकी कहानी कनिका ढिल्लों ने लिखी है। कनिका ढिल्लों के प्रोडक्शन हाउस कथा पिक्चर्स के बैनर तले बनी यह फिल्म सिनेमाघरों के बजाय सीधे डिजिटल प्लेटफॉर्म पर रिलीज होगी। फिल्म का प्रीमियर 3 सितंबर 2026 को नेटफ्लिक्स पर होगा। 'गांधारी' में तापसी पन्नू एक मां की भूमिका निभा रही हैं, जो अपनी बेटी को बचाने के लिए किसी भी हद तक जाने को तैयार है।

कहानी मां-बेटी के गहरे और अटूट रिश्ते के साथ-साथ बदले और संघर्ष की भावनात्मक यात्रा को सामने लाएगी। फिल्म में तापसी का किरदार उनके अब तक के निभाए किरदारों से काफी अलग और चुनौतीपूर्ण बताया जा रहा है। अभिनेत्री फिल्म में जबरदस्त एक्शन करती भी नजर आएंगी।

फिल्म की स्टारकास्ट में तापसी के साथ इश्वाक सिंह, स्वास्तिका मुखर्जी, छाया कदम, जतिन सरना और मीता वशिष्ठ जैसे कलाकार शामिल हैं।

'गांधारी' का निर्देशन देवाशीष मखीजा ने किया है, जो अपनी गंभीर और प्रभावशाली कहानी कहने की शैली के लिए जाने जाते हैं। वहीं, कनिका ढिल्लों के लेखन और निर्माण ने फिल्म को लेकर उम्मीदें बढ़ाई हैं। तापसी को आखिरी बार 'अस्सी' में देखा गया था, जो इस साल की शुरुआत में रिलीज हुई थी। अब 'गांधारी' के जरिए वह एक्शन और इमोशन से भरपूर नए अंदाज में दर्शकों के सामने आने वाली हैं।

अन्नदान — दक्षिण भारत राष्ट्रमत

चेन्नई में रविवार को शाकद्वीपीय ब्राह्मण समाज द्वारा श्रावण पुत्रदा एकादशी के अवसर पर भगवान श्री सूर्य नारायण की विशेष पूजा, हवन, अभिषेक 'सूर्य भवन' साहुकारपेट में की गई। पूजा के बाद एनएससी बोस रोड पर समाज के सदस्यों द्वारा अन्नदानम् का आयोजन किया। पूजा के मुख्य लाभार्थी महेश हस्तीमल परिवार श्री लक्ष्मी ज्वैलर्स मन्नड़ी वाले रहे। इस अवसर पर चेन्नई शाकद्वीपीय ब्राह्मण समाज के अनेक सदस्य उपस्थित थे।

वीपीएल टूर्नामेंट में लगे दो शतक

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां विप्र स्पोर्ट्स क्लब द्वारा आयोजित विप्र प्रीमियर लीग टूर्नामेंट में 23 अगस्त को क्वार्टर फाइनल मैच मेग्ना कॉलेज मैदान 3 मैच व एसआरएफ मैदान पर एक मैच खेला गया। विप्र स्पोर्ट्स क्लब के प्रेसिडेंट शशिकान्त शर्मा ने बताया कि पहला मैच आदिगौड टीम का पुष्करणा टीम से था। आदिगौड ने 7 विकेट से जीत दर्ज की व नितिन शर्मा सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी रहे। दूसरा मैच सेवग टीम का खेतेश्वर टीम के बीच हुआ जिसमें खेतेश्वर टीम 6 विकेट से विजयी हुई, वीरू सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी रहे । तीसरा मैच राजपुरोहित टीम का पारीक टीम से हुआ। जिसमें राजपुरोहित टीम 77 रन से विजयी रही, दिनेश सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी रहे।

एसआरएफ मैदान पर दधिमती टीम का रावल टीम से था। जिसमें दधिमती टीम के आकाश भेडा ने आतिशी बल्लेबाजी करते हुए 60 गेंद पर 207 रन बनाकर नाबाद रहा। दधिमती टीम 208 रन से विजयी रही, आकाश भेडा सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी रहा। टी20 फॉर्मेट में यह पहला दोहरा शतक था जो की एक नया कीर्तिमान बन गया। सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी के पुरस्कार क्रिधा लेमिनेट्स व पंडित दामोदर विकास गौड़ द्वारा प्रदान किए गए।

वन विभाग के कार्मिकों को रक्षा सूत्र बांधकर मनाया रक्षाबंधन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। वन विभाग के कार्मिकों का जीवन भी खतरों से घिरा रहता है। इस विभाग के कार्मिक अपनी ड्यूटी में मुस्तैद रहने के कारण कई बार रक्षाबंधन का पर्व नहीं मना पाते हैं। उन्हें रक्षा सूत्र बांधकर आपदाओं से उनकी रक्षा के लिए एक समारोह का आयोजन चेन्नई के प्रतिष्ठित वंडलूर जू में किया गया।रक्षाबंधन समारोह का आयोजन चेन्नई स्थित अंतर्राष्ट्रीय अग्रवाल महिला सम्मेलन द्वारा किया गया। इस समारोह का संयोजन करने वाले और इसके सूत्रधार साहित्यकार और तमिलनाडु हिंदी साहित्य अकादमी के महासचिव ईश्वर करुण थे ।समारोह में वंडलूर जू के निदेशक रिट्टो साइरस, उपनिदेशक मनीष कुमार, एवं सहायक निदेशक मणिकंदन प्रभु उपस्थित थे। वन विभाग की ओर से सभी का स्वागत कामराज ने किया।

इस अवसर पर बड़ी संख्या में वन विभाग के उपस्थित कार्मिकों को अंतर्राष्ट्रीय अग्रवाल महिला सम्मेलन के पदाधिकारी एवं सदस्यों द्वारा रक्षा सूत्र बांधकर उन्हें मिठाई खिलाया। पर्यावरण के अंतर्गत वहां पर वृक्ष को भी राखी बांधा गया। आयोजन अपने आप में एक अनूठा आयोजन था अध्यक्ष शारदा अग्रवाल, सचिव शालिनी अग्रवाल, कोषाध्यक्ष सरला मंगल, सीमा झुनझुनवाला, बिमला गोकुलका, सुनीता बथवाल, कविता अग्रवाल, पिंकी अग्रवाल, रुक्मणी अग्रवाल, रीता धीरकी उपस्थिति रही।

तेयुप गांधीनगर में अभातेयुप की संगठन यात्रा आयोजित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। अखिल भारतीय तेरापंथ युवक परिषद के वरिष्ठ उपाध्यक्ष अनंत बागरेचा एवं उनकी टीम संगठन यात्रा पर तेरापंथ युवक परिषद गांधीनगर पहुंची। अनंत बागरेचा, शाखा प्रभारी अमित दक, यात्रा संयोजक गौतम खाब्या एवं अभातेयुप सदस्यों का तेयुप के अध्यक्ष विनोद कोठारी ने स्वागत किया। साध्वीश्री पावनप्रभाजी ने आशीर्वाद प्रदान किया। मंत्री विवेक मरोठी ने मंत्री प्रतिवेदन प्रस्तुत किया तथा गतिविधियों की जानकारी दी।

अमित दक, गौतम खाब्या, विनोद मुथा, विकास बांठिया, प्रसन्न धोका, कमलेश चोपड़ा, ऋषि दुगड़ एवं विकास बाबेल ने अपने विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम के दौरान विभिन्न कार्यक्रमों के बैनरों का अनावरण किया गया। मंच संचालन सहमंत्री अश्विन धारीवाल ने किया।

अटूट श्रद्धा का अद्भुत संकल्प

चेन्नई से राजस्थान के नाडोल तक पैदल यात्रा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां के छीपा समाज के गोपाल छीपा, मंडवारिया से मिली जानकारी के अनुसार, यहां आस्था, श्रद्धा और दृढ़ संकल्प की एक अनूठी मिसाल पेश करते हुए राजेश मोहनलाल छीपा निवासी सवणा, जालोर, आगामी 26 अगस्त से एक ऐतिहासिक पैदल धार्मिक तीर्थ यात्रा पर निकलने जा रहे हैं। यह पदयात्रा तमिलनाडु के चेन्नई से शुरू होकर राजस्थान के नाडोल स्थित प्रसिद्ध श्री राजराजेश्वरी आशापुरा माताजी मंदिर तक जाएगी, जिसकी कुल दूरी लगभग 2300 से 2500 किलोमीटर है।

राजेश यह कठिन और लंबी यात्रा पूरी दुनिया में सुख-शांति, समृद्धि और माता रानी के आशीर्वाद की कामना के साथ अकेले तय करेंगे। लगभग दो महीने की इस निरंतर पैदल यात्रा के दौरान वे विभिन्न राज्यों से गुजरते हुए माँ के दरबार नाडोल धाम पहुँचेगे। पदयात्रा में चेन्नई, वेलूर, होसुर, बेंगलूरु, हुब्बल्ली, कोल्हापुर, पुणे, विरार, सूरत, अहमदाबाद, हिम्मतनगर, अम्बाजी और सिरोही होते हुए नाडोल धाम पहुंचेंगे। इतनी लंबी दूरी पैदल तय करना अपने आप में एक अत्यंत कठिन और चुनौतीपूर्ण संकल्प है, लेकिन माताजी के प्रति अटूट आस्था रखने वाले राजेश छिपा के मनोबल को माताजी बनाए हुए है। यात्रा के दौरान विभिन्न ठहरावों पर समाजजनों और श्रद्धालुओं को उनसे मिलने और धार्मिक चर्चा का अवसर मिलेगा।

क्रोध, मान, माया और लोभ आत्मा को करते हैं मलिन : साध्वी प्रियरंजनाश्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां कुशल बाग में विराजित साध्वीश्री प्रियरंजनाश्रीजी ने प्रवचन में कहा कि क्रोध, मान, माया और लोभ आत्मा को बांधने वाले ऐसे कषाय हैं, जो क्षण भर में मनुष्य की दशा और दिशा बदल सकते हैं। क्रोध विवेक को ढक देता है और आवेश में किए गए कर्मों का फल अंततः भोगना ही पड़ता है। इसलिए क्रोध के स्थान पर क्षमा और अहंकार के स्थान पर विनय को जीवन में स्थान देना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि साधना और तप से प्राप्त सामर्थ्य भी यदि क्रोध के अधीन हो जाए तो उसका परिणाम विनाशकारी हो सकता है। कर्म किसी को नहीं छोड़ते, चाहे वह साधु हो या सामान्य जीव। अतः क्षणिक आवेश में ऐसा कोई कर्म नहीं करना चाहिए, जिसका पश्चाताप लंबे समय तक करना पड़े। 'मान' अर्थात अहंकार पर प्रकाश डालते हुए साध्वीश्री ने कहा कि क्रोध दिखाई देता है, लेकिन मान भीतर छिपा रहता है। माया के माध्यम से छल-कपट करने वाला व्यक्ति दूसरों से पहले स्वयं को ठगता है। इसी प्रकार लोभ की कोई सीमा नहीं होती। संग्रह बढ़ता जाता है, लेकिन संतोष के अभाव में मनुष्य भीतर से खाली ही रहता है।

साध्वी दिव्यांजना श्रीजी ने कहा कि मनुष्य अपनी शक्ति का आकलन काया और वाणी से करता है, जबकि शास्त्रों में मन की शक्ति को अत्यंत प्रभावशाली बताया गया है। शुभ-अशुभ विचार भी कर्मबंध का कारण बनते हैं। इसलिए मन की शुद्धता उतनी ही आवश्यक है, जितनी शरीर और वाणी की।

रात्रि भोजन त्याग से स्वास्थ्य एवं आध्यात्मिक उन्नति का मार्ग प्रशस्त होता है : जयतिलक मुनि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां साहुकारपेट के एसएस जैन संघ के तत्वावधान में जैन भवन प्रांगण में चातुर्मासार्थ विराजित जयगच्छाधिपति आचार्य श्री पार्श्वचन्दजी म.सा. एवं युवा मनीषी डॉ. श्री पदमचन्दजी म.सा.

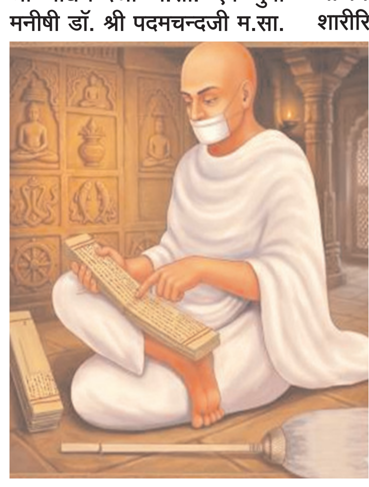

के आज्ञानुवर्ती श्री जयतिलक मुनि जी म.सा. ने धर्मसभा को संबोधित करते हुए कहा कि रात्रि भोजन नर्क का नेशनल हाईवे है। उन्होंने उपस्थित श्रद्धालुओं को रात्रि भोजन त्याग के धार्मिक, स्वास्थ्यवर्धक एवं वैज्ञानिक लाभों की विस्तृत जानकारी प्रदान की। अपने प्रवचन में मुनिश्री ने एक मार्मिक दोहे के माध्यम से रात्रि भोजन की अनुपयुक्तता को स्पष्ट करते हुए कहा चिड़ी, कबूतर, कांगला रात चुगण नहीं जाए, पर देह थारी मानवी, रात पड्या क्यों खाए।

उन्होंने कहा कि प्रकृति के अधिकांश जीव सूर्यास्त के पश्चात भोजन ग्रहण नहीं करते, जबकि मनुष्य स्वाद और आदतवश रात्रि में भोजन करता है, जिससे अनेक शारीरिक एवं मानसिक समस्याएँ उत्पन्न होती हैं। शरीर को जिस प्रकार का आहार और जिस समय आहार दिया जाता है, शरीर उसी के अनुरूप अपनी आदतें विकसित कर लेता है। इसलिए यदि व्यक्ति समय पर भोजन करने की आदत डाले तो उसका स्वास्थ्य अधिक उत्तम बना रहता है। उन्होंने कहा कि रात्रि भोजन त्याग केवल धार्मिक अनुशासन ही नहीं, बल्कि उत्तम स्वास्थ्य का भी आधार है। वैज्ञानिक दृष्टिकोण का उल्लेख करते हुए मुनिश्री ने कहा कि आधुनिक शोध भी दिन के समय भोजन ग्रहण करने को शरीर के लिए अधिक उपयुक्त मानते हैं। धर्म सभा में संघ अध्यक्ष संजय पिंचा, कोषाध्यक्ष जितेंद्र भंडारी, हुक्मीचन्द मेहता, प्रकाशचन्द नाहर, विजयराज दुगड़, ज्ञानचंद काकलिया, राकेश बरलोटा सहित अनेक गणमान्य श्रावक उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन सज्जनराज सुराणा ने किया।

राजस्थली क्लब का हुआ 'सावन में लग गयी धुन'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां रविवार को सावन मिलन के अंतर्गत राजस्थली क्लब का 'सावन में लग गयी धुन' कार्यक्रम रविवार को पर्ल बैंक्वेट में आयोजित हुआ। कार्यक्रम में लगभग 135 सदस्यों ने भाग लिया। मंगलाचरण से कार्यक्रम की शुरुआत हुई। मंगलाचरण का संगान रचना नाहटा एंड टीम ने किया। अध्यक्ष नरेंद्र बैद ने पधारे हुए सभी क्लब सदस्यों का स्वागत अभिनन्दन किया। कार्यकारिणी टीम का परिचय एवं इस वर्ष नए जुड़े सदस्यों का परिचय मंच पर बुलाकर करवाया गया। गणेश वंदना पर अंजलि गुलगुलिया ने शानदार नृत्य प्रस्तुत किया, शिव स्तुति पर शानदार नृत्य की प्रस्तुति युक्ता छाजेड़ द्वारा की गई, सावन की मस्ती पर जागृति दुगड़,छवि तातेड़,आकांक्षा तातेड़ एवं अंजलि गुलगुलिया ने ग्रुप डांस किया।

कार्यक्रम की जान सफर बैंड का परिचय सुरेश तातेड़ ने दिया। सफर बैंड द्वारा प्रस्तुत शानदार मधुर संगीत लगभग डेढ़ घंटे तक चला, लोगों ने नाचते झूमते हुए कार्यक्रम का भरपूर लुफ्त उठाया। टीम राजस्थली द्वारा सफर बैंड का सम्मान किया गया। मंत्री अशोक तातेड़ ने सावन के गीत की मधुर प्रस्तुति के साथ पधारे हुए सभी महानुभावों को दिल से धन्यवाद दिया। कार्यक्रम में बेस्ट ड्रेसअप के लिए अलग अलग 5 कैटेगरी में विजेताओं को पुरस्कृत किया गया। संयोजकद्वय श्री गुलाब गुलगुलिया एवं संतोष सेठिया ने कार्यक्रम का संचालन किया ।

आत्मा को पहचानो, तभी संसार के बंधन से मुक्ति संभव : मुनि तीर्थचैतन्य

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां किलपॉक स्थित एससी शाह भवन में चातुर्मासार्थ विराजित मुनिश्री तीर्थचैतन्य विजयजी ने सोमवार प्रातः प्रवचन में कहा कि आत्मा का स्वभाव जन्म लेना और मरना नहीं है। आत्मा तो आनंदस्वरूप और स्वतंत्र है, लेकिन कर्मसत्ता के प्रभाव में वह विभावदशा में जाकर संसार के चक्र में घूमती रहती है। मोह का अंधकार तब तक जीव को भटकाता है, जब तक उसे अपने वास्तविक आत्मस्वरूप का बोध नहीं हो जाता। मुनिश्री ने कहा कि भगवान सुधर्मास्वामी ने सबसे पहले यही समझाया कि ''स्वयं को पहचानो मैं कौन हूं?' जब तक यह प्रश्न भीतर जागृत नहीं होगा, तब तक बाहरी प्रयासों से संसार के दुःखों का अंत संभव नहीं है। विडंबना यह है कि जिसे याद रखना चाहिए, उसे हम भूल गए हैं और जिसे भूल जाना चाहिए, उसे जीवनभर याद करते रहते हैं। सात सरदारों का उदाहरण बताते हुए उन्होंने स्पष्ट कि हम भी संसार, शरीर, इंद्रियों और मन को तो पहचानते हैं, लेकिन अपने भीतर विद्यमान चैतन्य आत्मा को भूल गए हैं।

मुनिश्री ने कहा कि संसार के बंधन को तोड़ने के लिए सबसे पहले आत्मवादी बनना होगा। आत्मा की तीन अवस्थाएं बताई गई हैं बहिरात्मा, अंतरात्मा और परमात्मा। वर्तमान में अधिकांश जीव बहिरात्मा दशा में हैं, जहां शरीर, नाम, रूप और सांसारिक पहचान ही जीवन का केंद्र बन जाते हैं। शरीर को मैं' मानना ही बहिरात्मा दशा का लक्षण है। उन्होंने कहा कि बहिरात्मा से अंतरात्मा की ओर बढ़ने का मार्ग साक्षीभाव है। शरीर मेरा स्वरूप नहीं, बल्कि आत्मा का अस्थायी संयोग है। जैसे शरीर पर लगी पट्टी कुछ समय बाद हटाते समय पीड़ा देती है, वैसे ही अनादिकाल से शरीर के साथ बनी आत्मा की तादात्म्यता मृत्यु के समय अलगाव में अत्यंत वेदना का कारण बन सकती है। इसलिए जीवन रहते आत्मा और शरीर के भेद को समझना आवश्यक है।

मुनिश्री ने कहा कि साधना का उद्देश्य केवल धार्मिक क्रियाएं करना नहीं, बल्कि दृष्टि में परिवर्तन लाना है। छोटी-छोटी बातों में दृष्टि बदलने का अभ्यास ही आत्मजागृति की शुरुआत है। पहले यह स्वीकार करना होगा कि कर्मों से मलिन आत्मा चारों गतियों में भ्रमण कर रही है। जब संसार-भ्रमण की वास्तविकता का अनुभव होगा, तभी उससे मुक्त होने का उपाय खोजने की तीव्र जिज्ञासा उत्पन्न होगी।

महफ़िल-ए-मिलन में मोहम्मद रफी और किशोर कुमार के गीतों से सजी शाम

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

सेलम। यहां रविवार को सहादेवापुरम स्थित रोटरी क्लब हॉल में सेलम मोहम्मद रफी फैन्स क्लब एंड सेलम एमेच्योर आर्ट्स ट्रस्ट के तत्वावधान में संगीत से सजी एक शाम का आयोजन किया गया। इस समारोह में बीते समय के हिंदी सिनेमा जगत के मशहूर पार्श्वगायक मोहम्मद रफी और किशोर कुमार के लोकप्रिय गीतों का अनेक पेशेवर और गैर-पेशेवर गायक गायिकाओं द्वारा प्रस्तुति दी गई। प्रमुख रूप से बंगलौर के मोहम्मद असलम और तब्बू ने श्रोताओं का मनोरंजन किया तो सेलम के मोहम्मद जाफ़र, डॉ नास्सर अली खान, हेमंत गोयल, चंद्रशेखर झुंझुनवाला, अब्दुल मन्नन, विकास साबु, ताराचंद खटोर, सैय्यद मुस्तफा आदि ने अपनी गायिकी के जलवे बिखेरे।

दक्षिण की धरा पर हिंदी पुराने गीतों की शाम का आयोजन एक चुनौतीपूर्ण कार्य होता है परंतु जिस प्रकार से हॉल खचाखच भरा था ऐसा लग रहा था आज भी उन सदाबहार नगमों के प्रशंसकों की कमी नहीं है। सुपर फोर्टी के सदस्यों ने अपनी सहभागिता दर्ज करा गायकों की जोरदार हौसलाअफजाई की। आयोजन में सिकंदर शरीफ़ ने विशेष भूमिका निभाई तो कार्यक्रम का संचालन अब्दुल मन्नन ने किया।

सुन्दरकांड पाठ — दक्षिण भारत राष्ट्रमत

तिरुपुर में माँ दुर्गा भक्त मंडल के तत्वावदान में 1484वां सुन्दरकांड पाठ का आयोजन मनीष, मनोज जोशी परिवार के निवास पर हुआ। सुन्दरकाण्ड पाठ गणेश वन्दना एवं मन्त्रोच्चारण करके पाठ चालू किया पाठ में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लिया। मां दुर्गा भक्त मंडल कि ओर से उपाध्यक्ष राजकुमार शर्मा ने जोशी परिवार के प्रति आभार व्यक्त किया और सभी को सात्विक विचारों की प्रेरणा दी।

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006.
Regn No. RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520 **Editor : Bhupendra Kumar** (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar.
Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.